जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

चूरू, शनिवार 18 अप्रैल, 2026

www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

8 मिनट की दूरी पर
8000/- Sq. Ft. का फायदा

REAL VALUE • REAL GROWTH

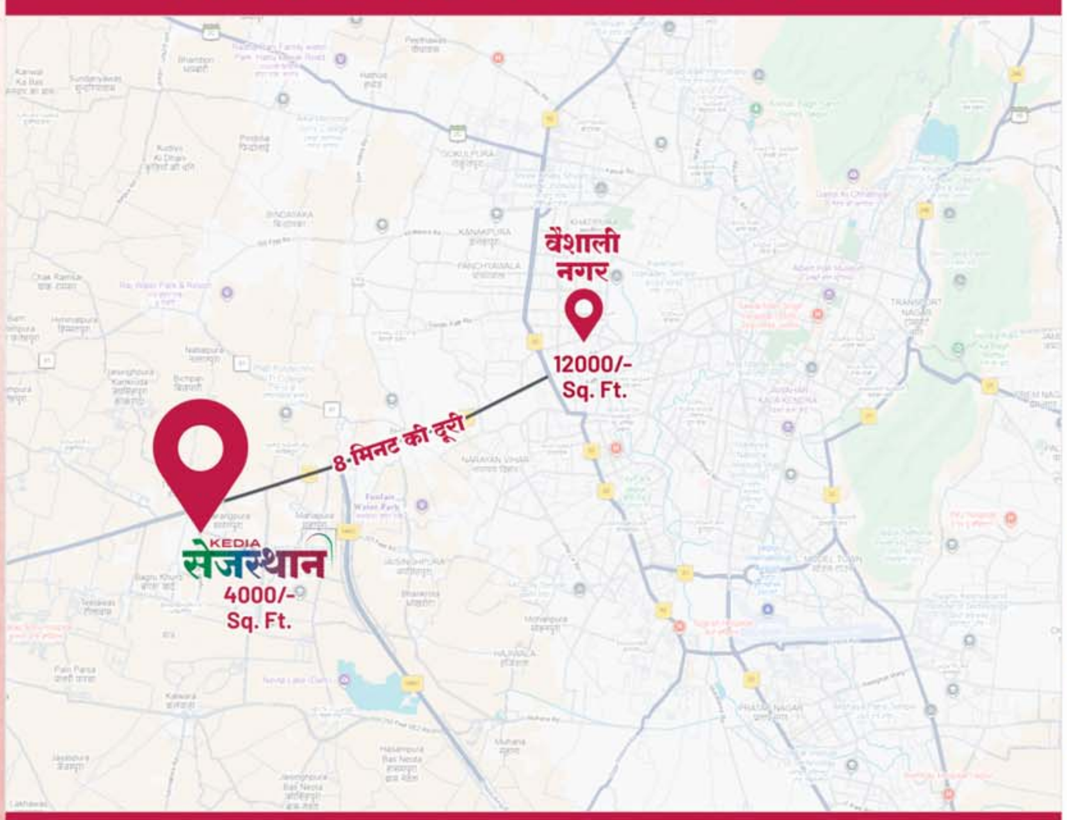

अब हर महीने रेट बढ़ेगी !

₹4000/- Sq Ft में फ्लैट! | ₹5000/- Sq Ft में कोठी!

FIXED PRICE

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.25 CRORE
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.55 CRORE

NO MIDDLE MEN

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड, जयपुर
बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

FIXED PRICE

KEDIA® | 1800-120-2323 | 78770-72737 | info@kedia.com | www.kedia.com
SCAN QR FOR • LOCATION • ROUTE MAP • SITE 360 TOUR • E-BROCHURE • WALKTHROUGH
T&C Apply

घर के लिए
घर के खाने के लिए

आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

54000+ रिटेलर्स
पवित्र खिला रहे है
आप कब से खिलाओगे ?

KEDIA™
Pavitra

FIXED PRICE

रिटेलर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर
कॉल लगाओ, रजिस्ट्रेशन कराओ
1800 120 2727

प्रोडक्ट केटेगरी

आटा और गेहूँ
देशी गेहूँ
शरबती गेहूँ
देशी चक्की आटा
शरबती सुपीरियर आटा
सूजी (सेमोलिना)
गेहूँ दलिया
बेसन
दालें
अरहर दाल
चना दाल
हरा चना
हरा मटर
हरा मूंग (साबुत)
काबुली चना
काला चना
मसूर दाल (लाल)
मसूर मलका
मूंग दाल (छिलका)
मूंग दाल
मोठ
रेड राजमा
राजमा चित्रा
राजमा कश्मीरी
उड़द दाल (छिलका)
उड़द दाल
मिनी सोया चंक्स
पिसे मसाले
लाकाडोंग हल्दी पाउडर
लाल मिर्च पाउडर
धनिया पाउडर
सेंधा नमक
अमचूर पाउडर
खड़े मसाले
अजवाइन
काली मिर्च
दालचीनी
लौंग
हरी इलायची
जीरा
कसूरी मेथी
मेथी दाना
राई
सौंफ
धनिया साबुत
ड्राई फ्रूट
कैलिफोर्निया बादाम
मामरा बादाम
अंजीर
काजू
मूंगफली
मखाना
मेजडूल खजूर
पिस्ता
किशमिश
अखरोट गिरी
ब्लेंडेड मसाले
छाछ मसाला
चना मसाला
चाट मसाला
दाल मखनी मसाला
गरम मसाला
जलजीरा मसाला
किचन किंग मसाला
पाव भाजी मसाला
पोहा मसाला
रायता मसाला
राजमा मसाला
सब्जी मसाला
सांभर मसाला
शाही पनीर मसाला
स्नैक्स
चीज़ एंड हर्ब्स मखाना
हिमालयन पिंक सॉल्ट मखाना
मैजिक मसाला मखाना
सॉर क्रीम एंड ऑनियन मखाना
रोस्टेड चना
स्वीटनर
देसी गुड़
देसी गुड़ पाउडर
मिश्री धागा
मिश्री पाउडर
एडिबल ऑइल
मूंगफली तेल
पोहा
इंदौरी पोहे
चावल
एलीट बासमती चावल
प्लैटिनम शरबती चावल

40+ Warehouses | 180+ Delivery Van | 400+ Delivery Man

सभी जिला मुख्यालयों पर Market Development Officer (MDO) हेतु आवेदन करें।
Email ID : hr@kedia.com | Call : +91 76888 44466

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP | ORDER ON ZEPTO

T&C Apply

विचार बिन्दु

बुद्धि से विचार कर किए गए कर्म ही सफल होते हैं। –महाभारत

राम जल सेतु: राजस्थान की जल स्वावलम्बन क्रांति

राम जल सेतु लिंक परियोजना राजस्थान के लिए एक ऐतिहासिक कदम है, जो सूखे की मार झेलते पूर्वी राजस्थान को जल आत्मनिर्भरता की नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प है। यह महज एक इंजीनियरिंग चमत्कार नहीं, बल्कि राजस्थान सरकार की दूरदर्शिता का प्रतीक है, जो संशोधित पार्वती कालीसिंध-चंबल (ERCP) योजना को ईस्टर्न राजस्थान नहर परियोजना (ERCP) से जोड़कर एक व्यापक जल मिशन का रूप दे रही है। कल्पना कीजिए, जहां कालीसिंध नदी के उदग्रह जल को चंबल नदी के विशाल जलसेतु के माध्यम से मेज नदी ईसरदा बांध, बीसलपुर बांध और अंततः रामगढ़ बांध तक पहुंचाया जा रहा है। इससे 17 जिलों की 3.25 करोड़ जनसंख्या को पेयजल, सिंचाई और औद्योगिक जरूरतों के लिए स्थायी समाधान मिलेगा। यह परियोजना न केवल जल संकट को दूर करेगी, बल्कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करेगी।

राजस्थान, जो विश्व का सबसे बड़ा रेगिस्तान वाला राज्य है, सदियों से जल की कमी से जूझता रहा है। पूर्वी राजस्थान के जिले जैसे कोटा, बूंदी, टोंक, सवाई माधोपुर, जयपुर, धौलपुर, करौली, दौसा, झालावाड़, बारां, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, राजसमंद आदि में मानसून की अनिच्छा ने किसानों को बर्बाद कर दिया है। फसलें सूखीं, तालाब खाली हुए, और भूजल स्तर इतना नीचे चला गया कि हाथ-पांव फूल गए। ऐसी स्थिति में राम जल सेतु का निर्माण एक स्वप्निल परियोजना के रूप में उभरा है। पैकेज-2 के तहत 2330 करोड़ रुपये की लागत से पीपलदा समेल (कोटा) से गुहाटा (बूंदी) तक देश का सबसे लंबा एक्वाडक्ट बनाया जा रहा है। यह संरचना, जो मई 2025 से तेजी से बन रही है, अप्रैल 2026 तक उल्लेखनीय प्रगति पर पहुंच चुकी है। मुख्यमंत्री ने हाल ही में इसका निरीक्षण कर अधिकारियों को युद्ध स्तर पर कार्य करने के निर्देश दिए। कुल मिलाकर यह 90,000 करोड़ की महायोजना है, जो चंबल बेसिन से बनास, बाणगंगा और अन्य बेसिनों तक जल का समान वितरण सुनिश्चित करेगी।

इस परियोजना की महत्ता को समझने के लिए हमें इतिहास की ओर झांकना होगा। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नदियों को जोड़ने के महासपने को आज साकार करने का समय आ गया है। राम जल सेतु उसी दिशा में एक कदम है। यह वंदे भारत जल संरक्षण जन अभियान और हर घर जल योजना का मजबूत आधार बनेगा। पूर्वी राजस्थान, जहां 40 प्रतिशत आबादी निवास करती है, वहां अब जल सुरक्षा की बयार बहेगी। ईसरदा बांध से रामगढ़ बांध तक जल पहुंचने से जयपुर जैसे महानगरों को भी राहत मिलेगी। किसान नई फसलें उगाएंगे, उद्योग फलेंगे-फूलेंगे, और पर्यटन को नया आयाम मिलेगा। उदाहरणस्वरूप, कोटा का चंबल उद्यान और बूंदी के किले अब हरियाली से जगमगा उठेंगे। वास्तव में इसे राजस्थान की लाइफ लाइन कह सकते है, जो बिल्कुल सटीक है।

परियोजना की तकनीकी बारीकियां भी कम आश्चर्यजनक नहीं हैं। नवनेरा बैराज पर कालीसिंध का जल एकत्रित कर चंबल जलसेतु के 100 से अधिक स्ल्यूस गेट्स से पार कराया जाएगा। यह एक्वाडक्ट न केवल लंबाई में अद्भुत है, बल्कि भूकंप प्रतिरोधी और पर्यावरण अनुकूल भी है। निर्माण में आधुनिक तकनीक जैसे प्रीकास्ट कंक्रीट स्लैब और हाई टेंसाइल स्टील का उपयोग हो रहा है। इससे न केवल जल हानि न्यूनतम होगी, बल्कि रखरखाव लागत भी कम रहेगी। मध्य प्रदेश के साथ सहयोग से यह परियोजना और मजबूत हुई है, क्योंकि योजना में दोनों राज्यों का हित है। हाल की प्रगति में जल्द ही 50 प्रतिशत कार्य पूर्ण होने की उम्मीद है, जो राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भविष्य में राम जल सेतु राजस्थान को जल निर्यातक बना सकता है। पड़ोसी राज्यों के साथ जल साझेदारी बढ़ेगी। सौर ऊर्जा से संचालित पंप और स्मार्ट सेंसर से जल प्रबंधन क्रांतिकारी होगा। युवाओं को रोजगार, महिलाओं को सशक्तिकरण, और किसानों को समृद्धि मिलेगी। यह परियोजना साबित करेगी कि इच्छाशक्ति से असंभव कुछ नहीं। अटल जी का सपना आज राजस्थान सरकार के हाथों साकार हो रहा है।

राम जल सेतु का सामाजिक प्रभाव गहरा होगा। ग्रामीण महिलाओं को अब दूर-दराज के जलाशयों से पानी लाने की मजबूरी नहीं रहेगी। बच्चे स्कूल जाने का समय बचाएंगे, और स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर होंगी। सिंचाई से कृषि उत्पादकता में 30-40 प्रतिशत वृद्धि संभव है। गेहूं, सरसों, बाजरा जैसी फसलें अब वर्ष भर होंगी। औद्योगिक क्षेत्र में उद्योगों को सस्ता जल मिलेगा, जो औद्योगिक इकाइयों के लिए वरदान सिद्ध होगा। राजस्थान की जीएसडीपी में 5-7 प्रतिशत का इजाफा अनुमानित है। पर्यावरणीय दृष्टि से, यह जल संरक्षण को बढ़ावा देगा, भूजल रिचार्ज होगा, और रेगिस्तानीकरण रुकेगा। नमामि गंगे जैसे अभियानों से प्रेरित होकर यह योजना स्वच्छ जल सुनिश्चित करेगी।

हालांकि चुनौतियां भी हैं। वन्यजीव अभयारण्यों से होकर गुजरने वाली नहरों में वन्यजीव सुरक्षा एक मुद्दा है। स्थानीय किसानों की जमीन अधिग्रहण पर विवाद हो सकते हैं, जिन्हें निष्पक्ष मुआवजा से हल करना होगा। जलवायु परिवर्तन से वर्षा अनियमित हो रही है, इसलिए जल भंडारण क्षमता बढ़ानी होगी। केंद्र सरकार से वित्तीय सहायता और मौसमी बाधाओं पर काबू पाना आवश्यक है। फिर भी, सरकार की सक्रियता से ये बाधाएं पार होंगी। जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल जल पहुंचाने का लक्ष्य अब वास्तविक लगता है।

राजनीतिक दृष्टि से यह परियोजना राजस्थान सरकार की उपलब्धि है। विपक्ष ने भले ही पर सवाल उठाए हों, लेकिन वर्तमान प्रगति सबूत है। राजस्थान सरकार का नेतृत्व और केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय का समर्थन इसे राष्ट्रीय महत्व का बना रहा है। मैं इसे रामायण के राम सेतु से जोड़कर देखता हूं, भक्ति, कर्म और एकता का प्रतीक। ठीक वैसे ही, यह सेतु राजस्थान को सूखे के रावण से मुक्त करेगा।

भविष्य में राम जल सेतु राजस्थान को जल निर्यातक बना सकता है। पड़ोसी राज्यों के साथ जल साझेदारी बढ़ेगी। सौर ऊर्जा से संचालित पंप और स्मार्ट सेंसर से जल प्रबंधन क्रांतिकारी होगा। युवाओं को रोजगार, महिलाओं को सशक्तिकरण, और किसानों को समृद्धि मिलेगी। यह परियोजना साबित करेगी कि इच्छाशक्ति से असंभव कुछ नहीं। अटल जी का सपना आज राजस्थान सरकार के हाथों साकार हो रहा है।

राम जल सेतु राजस्थान की धरती को हराभरा बनाने का वचन है। यह स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त करेगा, जहां जल नदी नहीं, जीवन का आधार बनेगा। राज्य सरकार, इंजीनियरों और जनता की एकजुटता से यह सफल होगा। आइए, हम सभी इस अभियान का हिस्सा बनें, क्योंकि जल है तो जीवन है।

–अतिथि सम्पादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कारपोरेट सलाहकार

राशिफल शनिवार 18 अप्रैल, 2026

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2083, अश्विनी नक्षत्र प्रातः 9:45 तक, प्रीति योग रात्रि 11:56 तक, बव करण दिन 2:11 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-मेष, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज चन्द्र दर्शन, दक्षिण श्रृंगोन्नति, देव दामोदर तिथि है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:40 से 9:15 तक, चर 12:26 से 2:02 तक, लाभ-अमृत 2:02 से 5:13 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:04, सूर्यास्त 6:48

मेष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यक्तिगत कार्य के लिए यात्रा संभव है।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। आज अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में सार्थक सफलता मिल सकती है। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में सार्थक सफलता मिल सकती है। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ एवं नवीन कार्यों में व्यवधान हो सकता है। सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

धनु
व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

मीन
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है।

भेदभावपूर्ण और गलत नीतियों से दलहन के किसान 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' से वंचित

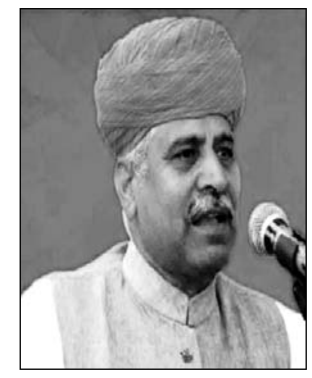

रामपाल जाट

चने की फसल आने के पूर्व ऑस्ट्रेलिया से 2,34,800 टन चना देश में पहुंचने के समाचार हैं। चने का न्यूनतम समर्थन मूल्य 5,875 रुपए प्रति क्विंटल घोषित है। बाजार भाव 4,800 से लेकर 5,200 रूपये प्रति क्विंटल है। सरकार की खरीद प्रभावी नहीं रहती है, खरीद का प्रबंधन ढीला-ढाला रहता है। किसानों की आय के संरक्षण के नाम पर राज्यो के कुल उत्पादन में से 75 प्रतिशत उत्पादन को तो न्यूनतम समर्थन मूल्य की परिधि से बाहर धकेला हुआ है। किसानों की रक्षार्थ भारत सरकार ने छत्रक योजना के रूप में प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान वर्ष 2018 से आरंभ किया हुआ है, इस योजना की उद्देशिका में तिलहनों के साथ दलहन उपजों को भी लाभकारी मूल्य दिलाने का उल्लेख है। इसी योजना की मार्गदर्शिका में कुल उत्पादन में से 25 प्रतिशत से अधिक की खरीद को प्रतिबंधित किया हुआ है। प्रतिबंध को हटाया तो नहीं गया बल्कि 25 प्रतिशत से अधिक खरीद की छूट देने का प्रावधान कृषि मंत्रालय के साथ वाणिज्य एवं वित्त मंत्रालय को भी जोड़कर कठोर बना दिया गया। दूसरी ओर लूट रहित दाने-दाने की खरीद करने के किसानों के आग्रह को ठोकर मार दी गई। किसानों के बढ़ते विरोध को देखते हुए 31 अगस्त 2022 को मसूर, अरहर एवं उड़द की खरीद के प्रतिबंध में 25 प्रतिशत की सीमा को बढ़ाकर 40 प्रतिशत किया गया। उसी क्रम में 1 अप्रैल 2024 से इन तीनों दलहनों की खरीद के प्रतिबंध को पूर्णतया समाप्त कर दिया गया। किंतु मूंग एवं चना में यह प्रतिबंध यथावत चल रहा है। इस भेदभाव का कारण अरहर, मसूर एवं उड़द आयात की तुलना में चने एवं मूंग की मात्रा कम हो जाना बताया। किसी विद्यार्थी के अपेक्षाकृत अधिक अंक आ जावे तो उसे पुरस्कृत करने के स्थान पर दंडित करने जैसी यह कार्यवाही है। किसानों के निरंतर आंदोलन करने के उपरांत चने की शत-प्रतिशत खरीद में 25 प्रतिशत का प्रतिबंध बाधा बना हुआ है।

चना उत्पादन में मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र एवं राजस्थान देश में सर्वोच्च स्थान पर हैं। अपवादों को छोड़कर चना की खरीद किसी भी वर्ष में प्रतिबंधित सीमा से अधिक नहीं हुई। वर्ष 2020-21 में चने का न्यूनतम समर्थन मूल्य 5,200 रुपए प्रति क्विंटल होते हुए भी किसानों को एक क्विंटल पर 1,000 रुपए तक का घाटा उठाकर बेचना पड़ा था। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद के लिए राजस्थान में जयपुर जिले के उपखंड दूदू क्षेत्र में 500 से अधिक चने से लदे हुए ट्रैक्टर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक सप्ताह से अधिक समय तक आंदोलित रहे थे। इस अवधि में अन्नत्याग सत्याग्रह से भी सरकारों का दिल नहीं पसीजा था। यह तो नेफेड के तत्कालीन प्रबंध निदेशक ने उनके गोदाम में जमा लगभग 15 लाख टन चने की खुली बिक्री किसानों के आग्रह पर रोक दी थी, जिससे बाजार में चने के दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य से अधिक हो गए थे, तब आंदोलनरत किसानों को उनके चने का घोषित न्यूनतम दाम प्राप्त होना संभव हुआ था।

वर्ष 2025-26 में चने की सी-2 संपूर्ण लागत 4,875 रुपए प्रति क्विंटल है, भारत सरकार की ओर से बजट 2018-19 में लागत से डेढ़ गुना दाम निर्धारण की घोषणा के अनुसार एक क्विंटल का न्यूनतम समर्थन मूल्य 7,312.50 रूपये होना चाहिए था, किंतु भारत सरकार ने एक क्विंटल के लिए 5,875 रूपये की घोषणा की है। जबकि 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' का निर्धारण डॉक्टर एम. एस. स्वामीनाथन की अध्यक्षता में गठित 'राष्ट्रीय किसान आयोग' (2004-2006) की अनुशंसा के अनुसार व्यापक लागत में 50 प्रतिशत लाभांश जोडकर निर्धारण किया जाना चाहिए।

मूल्य निर्धारण के बाद खरीद में सरकारी ढुल- मुल व्यवहार का परिणाम भी किसानों को भोगना पड़ता है, यथा-खरीद नीति का केंद्र सरकार के अनुमोदन के बाद राज्यों द्वारा अधिसूचना प्रसारित करने में 41 दिन तथा राज्यों द्वारा प्रसारित अधिसूचना के उपरांत वास्तविक खरीद में 73 दिन तक का विलंब इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। सरकारों की भेदभावपूर्ण गलत नीतियों एवं ढिलाई के कारण किसानों को घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य से भी वंचित रहना पड़ता है।

चने पर जून 2006 से लेकर दिसंबर 2017 तक आयात शुल्क शून्य था, उसके बाद 30 प्रतिशत, फरवरी 2018 में 40 प्रतिशत, मार्च 2018 में 60 प्रतिशत था, जिसे घटाकर फरवरी 2021 में 10 प्रतिशत, 50 प्रतिशत अतिरिक्त कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर, 4 मई 2024 से 31 मार्च 2025 तक शून्य कर दिया गया, 1 अप्रैल 2025 से 10 प्रतिशत है। पीली मटर के आयात के लिए 4 मई 2024 से 31 मार्च 2026 तक आयात शुल्क शून्य कर दिया गया। वर्ष 2015-16 में चने के आयात की मात्रा 10.3 लाख टन थी, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 16.1 लाख टन हो गई। इससे आयात पर खर्च की गई राशि 4,454 करोड़ से बढ़कर 10,307 करोड रुपए हो गई। भारत सरकार द्वारा चने के आयात पर आरोपित 60 प्रतिशत शुल्क को घटाकर शून्य तक लाने का भी दुष्परिणाम किसानों को भुगतना पड़ रहा है।

देश में चने का क्षेत्रफल 2020-21 में 107 लाख हेक्टर से घटकर 2024-25 में 96 लाख हेक्टर रह गया। मार्च 2024 से मार्च 2025 तक की अवधि में बाजार मूल्य न्यूनतम समर्थन मूल्य के लगभग बराबर रहे । वर्ष 2022-23, 2023-24 2024-25 की 3 वर्षों की अवधि में देश के कुल उत्पादन में से महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान की भागीदारी दो तिहाई से अधिक है, जो क्रमश 26.2 प्रतिशत, 24.4 प्रतिशत, 16.5 प्रतिशत है। गुजरात की भागीदारी 11.1 प्रतिशत को सम्मिलित करने पर इन चारों राज्यों की भागीदारी ही 78.2 प्रतिशत है। संयोग से देश के कृषि मंत्री मध्य प्रदेश से हैं, जो चना उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री राजस्थान में अजमेर लोकसभा क्षेत्र से हैं, जो चना उत्पादन में राजस्थान में अग्रिम पंक्ति में है, इसी क्षेत्र की विधानसभा दूदू से निर्वाचित विधायक उपमुख्यमंत्री हैं। मूंग उत्पादन में राजस्थान प्रथम स्थान पर है। इसके उपरांत भी प्रतिबंध के कारण चना एवं मूंग के 75 प्रतिशत उत्पादक किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य से वंचित है।

खरीफ विपणन मौसम 2025-26 में मूंग का न्यूनतम समर्थन मूल्य 8,768 रुपए प्रति क्विंटल घोषित था। प्राकृतिक आपदा के कारण मूंग की लगभग आधी पैदावार चौपट हुई। आपूर्ति कम तथा मांग अधिक होने पर मूल्य में बढ़ोतरी होती है, इस सिद्धांत के विपरीत किसानों को एक क्विंटल मूंग घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य से 3000 रुपए से अधिक का घाटा उठाकर बेचना पड़ा। सरकार ने अनेक बार संसद में किसी भी किसान को उसकी उपज 'घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य' से कम दामों में बेचने के लिए विवश नहीं होने के प्रति आश्वस्त किया हुआ है।

किसानों ने भी खेती करने का अर्थ उत्पादन की गतिविधियों तक मान लिया है। जबकि इसमें दाम प्राप्त करना भी सम्मिलित है। लाभ में संतोष करना उत्तम गुण है, किंतु लाभ प्राप्ति के लिए क्रियाशील नहीं रहना कमजोरी है। 'संतोषी सदा सुखी' जैसी कहावत को आधार बनाकर सामर्थ्य प्रकट करने से बचने के लिए कम दाम प्राप्त होने को अपना भाग्य समझ लिया है। जैसे- कोई चालणी लेकर दूध निकालने के लिए दुधारू पशु के नीचे बैठ जाए फिर घर तक दूध नहीं पहुंचने को भाग्य की संज्ञा देकर कहे कि जो भाग्य में था, वह प्राप्त हो गया। इसीलिए कटाक्ष के रूप में चालणी में दूध दुहे और भाग्य पर भरोसा करे की लोकोक्ति प्रचलन में आई है। बाजार भावों का चढ़ना-उतरना सरकारों की बेईमानी से ग्रसित भेदभावपूर्ण नीतियों का परिणाम है। फसल के दाम प्राप्ति की दिशा में बेईमानी को भाग्य समझने की भूल का सुधार ही एकमेव मार्ग है।

–रामपाल जाट,
राष्ट्रीय अध्यक्ष किसान महापंचायत

अब निर्णय-निर्माण में बढ़ेगी भागीदारी : नारी शक्ति वंदन अधिनियम का नया भारत

डॉ. सौम्या गुर्जर

भारत के लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी कभी शून्य नहीं रही, लेकिन यह लंबे समय तक निर्णायक भी नहीं बन पाई। प्रतिनिधित्व था, पर प्रभाव सीमित रहा और यही वह अंतर था, जिसने नीति-निर्माण को अधूरा रखा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इसी कमी को दूर करने का एक ठोस और आवश्यक प्रयास है। महिला आरक्षण का प्रश्न नया नहीं है। 1996 से यह विषय देश की राजनीति में मौजूद रहा, लेकिन दशकों तक यह सहमति और प्राथमिकता के अभाव में आगे नहीं बढ़ पाया। वर्ष 2023 में इसे संवैधानिक स्वरूप मिला, जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने का प्रावधान किया गया। यह केवल एक विधेयक नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक ढांचे में एक संरचनात्मक सुधार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस अधिनियम को जिस प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया गया, वह यह स्पष्ट करता है कि महिला सशक्तिकरण अब नीति का केंद्र है, न कि केवल एक सामाजिक विमर्श। महिला-नेतृत्व वाले विकास की अवधारणा इसी सोच का विस्तार है।

भारत में महिलाओं का प्रतिनिधित्व लंबे समय तक सीमित रहा लोकसभा में लगभग 15 प्रतिशत और कई विधानसभाओं में इससे भी कम। यह असंतुलन केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं था; इसने नीति-निर्माण की दिशा को भी प्रभावित किया। जब निर्णय-प्रक्रिया में विविधता सीमित होती है, तो नीतियां भी सीमित दृष्टिकोण के साथ बनती हैं।

वैश्विक अनुभव भी यही दर्शाता है कि जहाँ निर्णय-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी अधिक होती है, वहाँ शासन अधिक संतुलित और संवेदनशील होता है। कई यूरोपीय देशों में यह स्पष्ट रूप से देखा गया है। अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि उनकी कम जनसंख्या उनके विकास का मुख्य कारण है यह आंशिक रूप से सही हो सकता है, लेकिन पूर्ण सत्य नहीं।

वास्तविक अंतर इस बात से आता है कि निर्णय लेने वालों की सोच कितनी समावेशी है। हमारे समाज में यह अनुभव रहा है कि घर की धुरी महिला होती है। वह केवल जिम्मेदारियों का निर्वहन नहीं करती, बल्कि संतुलन और दूरदर्शिता के साथ निर्णयों को दिशा देती है। परिवार के स्तर पर जो नेतृत्व स्वाभाविक रूप से विकसित होता है, वही जब शासन में स्थान पाता है, तो नीतियां अधिक संवेदनशील और समाज के वास्तविक सरोकारों से जुड़ी होती हैं। इस अधिनियम का महत्व केवल सीटों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है। इसका वास्तविक प्रभाव निर्णय-निर्माण की प्रकृति में बदलाव के रूप में दिखाई देगा। जब महिलाएं नीति-निर्माण का हिस्सा बनेंगी, तो स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, सुरक्षा और बालिकाओं से जुड़े मुद्दे अधिक प्राथमिकता के साथ सामने आएंगे। भारत में पंचायत स्तर पर महिलाओं के आरक्षण ने पहले ही यह सिद्ध किया है कि अवसर मिलने पर नेतृत्व उभरता है और शासन अधिक उत्तरदायी बनता है। यही अनुभव अब राष्ट्रीय स्तर पर लागू होने जा रहा है, जहाँ महिलाओं की भागीदारी केवल उपस्थिति नहीं, बल्कि प्रभाव के रूप में दिखाई देगी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम का वास्तविक महत्व आने वाले वर्षों में सामने आएगा, जब यह भारत की नीति-निर्माण प्रक्रिया को अधिक संतुलित और प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाएगा। यह केवल सीटों का पुनर्वितरण नहीं, बल्कि नेतृत्व के पुनर्संतुलन की शुरुआत है। जब निर्णय-निर्माण में महिलाओं की समान भागीदारी सुनिश्चित होगी, तब शासन अधिक संतुलित, संवेदनशील और भविष्य उन्मुख बनेगा और यही किसी भी विकसित राष्ट्र की वास्तविक पहचान है।

–डॉ. सौम्या गुर्जर,
जयपुर नगर निगम (ग्रेटर)

सीटों का परिसीमन और महिला आरक्षण: संवैधानिक कानूनी आधार, फिर हंगामा क्यों?

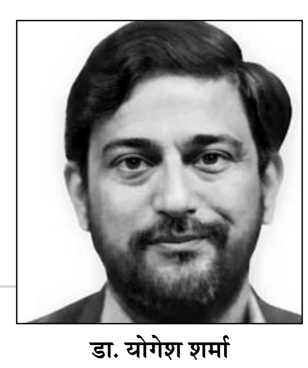

डा. योगेश शर्मा

16 से 18 अप्रैल 2026 तक भारतीय संसद के विस्तारित बजट सत्र की तीन दिवसीय विशेष बैठक का आयोजन अपने आप में ऐतिहासिक महत्व रखता है। इस बैठक के एजेंडे में तीन अत्यंत महत्वपूर्ण विधेयक शामिल हैं-संविधान (131वाँ संशोधन) विधेयक 2026, परिसीमन विधेयक 2026, तथा केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026। इन प्रस्तावों के केंद्र में तीन परस्पर जुड़े हुए मुद्दे हैं-जनगणना, परिसीमन और महिला आरक्षण। यह भारतीय लोकतंत्र के ढाँचे, उसकी प्रतिनिधिक क्षमता और उसके भविष्य के स्वरूप पर होने वाला एक गहरा राष्ट्रीय विमर्श है। इन विधेयकों का संबंध न केवल भारत के संसदीय ढांचे में संरचनात्मक परिवर्तन से है, बल्कि यह लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व, संघीय संतुलन और सामाजिक समावेशन जैसे मूलभूत प्रश्नों को भी छूते हैं। इससे पहले, वर्ष 2023 में पारित संविधान (128वाँ संशोधन) विधेयक, जिसे बाद में 106वें संविधान संशोधन अधिनियम के रूप में मान्यता मिली और जिसे 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के रूप में प्रस्तुत किया गया, ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का प्रावधान किया। अब वर्तमान में प्रस्तावित संशोधन और परिसीमन प्रक्रिया इसी कानून के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में अगला तार्किक कदम माने जा रहे हैं। भारतीय संसदीय लोकतंत्र में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं को 'जनता के प्रतिनिधि सदन' रूप में मान्यता प्राप्त है। ऐसे में सीटों का परिसीमन, लोकसभा और विधानसभाओं की सदस्य संख्या में वृद्धि, और महिला आरक्षण जैसे उपाय-लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के विस्तार और उसकी गुणवत्ता में सुधार के लिए आवश्यक संवैधानिक कदम हैं। फिर भी प्रश्न यह उठता है कि इन मुद्दों पर संवाद और बहस स्वाभाविक होने के बावजूद, इन्हें लेकर हंगामे का वातावरण क्यों बनाया जा रहा है?

यदि हम ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में देखें, तो भारतीय संसद की वैधानिक और नैतिक जड़ें हमारी संविधान सभा में ही निहित हैं, जिस सभा ने न केवल संविधान का निर्माण किया बल्कि स्वतंत्रता के शुरुआती वर्षों में विधायी संस्था के रूप में भी कार्य किया। 1952 में प्रथम निर्वाचित लोकसभा के गठन के समय इसकी सदस्य संख्या 489 थी। संविधान के अनुच्छेद 81 के अंतर्गत लोकसभा की संरचना निर्धारित की गई, जिसमें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधित्व के साथ-साथ अनुच्छेद 330 में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण का प्रावधान किया गया।

अनुच्छेद 82 के अनुसार, प्रत्येक जनगणना के बाद लोकसभा और अनुच्छेद 170 के अनुसार विधानसभाओं की सीटों का पुनर्समायोजन किया जाना आवश्यक है। 1961 तथा 1971 की जनगणना के बाद भी परिसीमन हुआ। इस व्यवस्था का मूल उद्देश्य यह था कि पूरे देश में लगभग प्रत्येक संसदीय सीट समान आबादी का प्रतिनिधित्व करे, ताकि लोकतांत्रिक समानता बनी रहे। इनके आधार पर लोकसभा की सीटें 489 से बढ़कर 543 तक पहुंचीं, जबकि राज्यों की विधानसभाओं की सीटों में भी वृद्धि हुई-जैसे राजस्थान विधानसभा की सीटें 160 से बढ़कर 200 तक हो गईं।

हालांकि, 1976 में किए गए 42वें संविधान संशोधन के माध्यम से, देश की तत्कालीन परिस्थितियों और जनसंख्या नियंत्रण की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण प्रावधान किया गया। इसके अंतर्गत यह निर्धारित किया गया कि वर्ष 2000 तक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं की सीटों की संख्या में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा तथा इसके लिए 1971 की जनगणना को आधार माना जाएगा। बाद में, 2001 में 84वें संविधान संशोधन के द्वारा इस व्यवस्था को आगे बढ़ाते हुए सीटों की संख्या को 2026 तक स्थिर कर दिया गया। परन्तु इस नीति से जहां एक ओर जनसंख्या नियंत्रण को प्रोत्साहन मिला, वहीं दूसरी ओर संसदीय लोकतंत्र के एक मूलभूत सिद्धांत-प्रतिनिधित्व पर प्रतिकूल प्रभाव भी पड़ा। विशेष रूप से, मतदाता और उनके निर्वाचित प्रतिनिधियों के बीच प्रत्यक्ष संपर्क में कमी आई।

सीटों की संख्या को 2026 तक स्थिर करने से प्रस्तुत प्रतिनिधित्व का संकट वर्तमान प्रस्तावों की पृष्ठभूमि तैयार करता है। संविधान के अनुसार, लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 550 निर्धारित की गई है, जिसमें अधिकतम 530 सदस्य राज्यों से तथा अधिकतम 20 सदस्य केंद्र शासित प्रदेशों से होते हैं। प्रस्तावित विधेयक में इस सीमा को बढ़ाकर 850 करने का प्रावधान किया गया है, जिसमें अधिकतम 815 सदस्य राज्यों से तथा अधिकतम 35 सदस्य केंद्र शासित प्रदेशों से होंगे। वर्तमान में प्रस्तुत 131वाँ संविधान संशोधन विधेयक, अनुच्छेद 81, 82, 170 और 330 में संशोधन करते हुए परिसीमन और महिला आरक्षण को प्रभावी बनाने की दिशा में आगे बढ़ता है। सरकार का तर्क है कि यह केवल सीट वृद्धि का प्रश्न नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को वर्तमान जनसंख्या-यथार्थ के अनुरूप बनाने की आवश्यकता है। साथ ही, महिला आरक्षण लागू करने के लिए आवश्यक राजनीतिक और संरचनात्मक स्थान भी इसी विस्तार के माध्यम से तैयार किया जा सकेगा। यह पूरी प्रक्रिया संवैधानिक और विधिसम्मत है, और संसद में व्यापक बहस एवं मतदान के बाद ही इसे लागू किया जाएगा।

इस व्यापक विमर्श का महत्वपूर्ण आयाम महिला आरक्षण है। 2023 में संसद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया। यदि प्रस्तावित 850 सीटों में लगभग 280 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होती हैं, तो बड़ी संख्या में महिलाओं के लिए राजनीति के द्वार खुलेंगे। महिला आरक्षण केवल राजनीतिक प्रावधान नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समावेशी लोकतंत्र की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि वे राजनीतिक दल, जो लंबे समय से महिला सशक्तिकरण की बात करते रहे हैं, क्या वे इस संवैधानिक प्रावधान को वास्तविक रूप में लागू करने की प्रतिबद्धता दिखाते हैं।

जहां तक राजनीतिक विरोध का प्रश्न है, कुछ विपक्षी दलों और विशेष रूप से दक्षिण भारत के राज्यों को आशंका है कि परिसीमन प्रक्रिया जनगणना से पृथक होकर राजनीतिक संतुलन को प्रभावित कर सकती है। दक्षिण भारत के राज्यों जैसे तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, ने अपेक्षाकृत बेहतर जनसंख्या नियंत्रण किया है। सम्भवतः इन राज्यों को यह आशंका है कि जनसंख्या को प्रतिनिधित्व का आधार मानने पर अधिक जनसंख्या वाले राज्यों को सीटों में बड़ी वृद्धि मिल सकती है, जबकि इन दक्षिणी राज्यों की राष्ट्रीय राजनीतिक हिस्सेदारी घट सकती है। सरकार का तर्क है कि सीटों की संख्या में आनुपातिक वृद्धि सभी राज्यों के लिए संतुलन बनाए रखेगी, भले ही उनकी जनसंख्या वृद्धि दर अलग-अलग क्यों न हो।

हालांकि, यह भी तथ्य है कि 2026 में जनगणना प्रक्रिया पुनः प्रारंभ हो चुकी है-पहले आवास सूचीकरण और उसके बाद 2027 में जनगणना का चरण पूरा होने की संभावना है। साथ ही, लोकतंत्र में चुनावी प्रक्रिया सभी राजनीतिक दलों के लिए समान रूप से खुली होती है। यदि को दल इसे राजनीतिक रणनीति के रूप में देखता भी है, तो विपक्ष के पास भी जनता के बीच जाकर अपनी नीतियों और विचारों को प्रस्तुत करने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं। जनगणना, परिसीमन और महिला आरक्षण का यह त्रिकोण केवल संविधायी, विधायी या प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की पुनर्संरचना का वह क्षण है, जहां भारत अपने संवैधानिक आदर्शों को निष्चित ही नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

-डॉ. योगेश शर्मा,
संवैधानिक अध्येता और अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 350 प्रभात चूरू, शनिवार 18 अप्रैल, 2026 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

महिला आरक्षण विधेयक पराजित हुआ लोकसभा में, पर भाजपा जीती!

एनडीए को कुल 298 वोट मिले, आरक्षण विधेयक के पक्ष में, इंडिया अलांयस (कांग्रेस व विपक्ष) को 230 वोट, जबकि संविधान संशोधन को पारित कराने के लिए दो तिहाई मत, यानि 364 वोट चाहिए थे

- इस नतीज़े को भाजपा की ''जीत'' इसलिए माना जा रहा है, क्योंकि अब भाजपा को देश भर में ढिढोरा पीटने के लिए मुद्दा मिल गया कि भाजपा तो महिलाओं को संसद में, विधानसभाओं में, एक तिहाई आरक्षण देने को तत्पर थी, पर, विपक्ष ने इस संविधान संशोधन विधेयक को पारित नहीं होने दिया।
- भाजपा को उसके प्रयास के लिए स्वाभाविक ही है, देश भर में महिलाएं सराह रही हैं। जिसका लाभ भाजपा को चुनाव में, विशेषकर प.बंगाल के चुनाव में मिलेगा और यह शायद ममता बनर्जी को बंगाल में हराने में काफी मददगार साबित हो सकता है।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। मोदी-शाह सरकार के लिए यह एतिहासिक पराजय जैसा है कि संविधान संशोधन महिला आरक्षण बिल गिर गया, क्योंकि सरकार तीन संविधान संशोधन बिल पास करने के लिए दो-तिहाई बहुमत जुटा पाने में असफल रही।

एक दिन की भारी हलचल और शोर के बाद पहले वोटिंग राउंड का अंतिम परिणाम इस प्रकार रहा- एनडीए के पक्ष में 298, इंडिया गठबंधन के पक्ष में 230 वोट पड़े, जबकि दो तिहाई बहुमत के हिसाब से सरकार को 489 सदस्यों को सदन में 360 मतों की जरुरत थी।

चूंकि अन्य दो बिल भी इसी से जुड़े हुए थे, इसलिए उन्हें भी असफल माना गया और सरकार ने उनके लिए मतदान कराने का प्रयास नहीं किया।

अमित शाह का भाषण इस बिन्दु पर केन्द्रित था कि कैसे महिला आरक्षण बिल विपक्ष द्वारा नाकाम किया गया और देश की महिलाएं विपक्ष को सबक सिखाएंगी।

असलियत यह है कि महिला बिल को परिसीमन से जोड़ने के कारण विपक्ष ने फैसला किया कि वे देश को उत्तर और दक्षिण में विभाजित नहीं होने देंगे।

विपक्ष ने पूरे दिन सरकार से कहा कि परिसीमन बिल को हटाएँ, महिला आरक्षण बिल को अपने आप खड़ा होने दें, और वे इसे पास करेंगे, ताकि तुरंत लागू किया जा सके।

विपक्ष ने कहा कि जनगणना के बिना परिसीमन स्वीकार्य नहीं है,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'चाणक्य होते तो, आपकी राजनैतिक चतुराई से चकित रह जाते'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। गृह मंत्री अमित शाह उस समय अन्य भाजपा नेताओं के साथ मुस्कुराते दिखाई दिए, जब कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने उन पर हँसी-मज़ाक के अंदाज़ में एक परोक्ष तारीफ की।

प्रियंका गांधी ने तीन बिलों में संशोधन और महिला आरक्षण विधेयक तथा परिसीमन आयोग के गठन पर बहस में हिस्सा लेते हुए अमित शाह की ओर इशारा करते हुए कहा, ''वे हँस रहे हैं।''

प्रियंका गांधी ने महिला आरक्षण विधेयक की समयावधि और ढाँचे के

- प्रियंका गांधी ने अमित शाह की राजनैतिक चतुराई पर व्यंग्यात्मक अदांज़ में टिप्पणी की और कहा, सारी तैयारी कर रखी है, इसीलिए वे हँस रहे हैं।

राजनीतिक इरादों पर सवाल उठाते हुए, मजाक में कहा, ''गृह मंत्री जी हँस रहे हैं। पूरी योजना बना रखी है। चाणक्य अगर होते, तो वो भी चकित रह जाते आपकी राजनीतिक चतुराई पर।''

कांग्रेस नेता ने कहा, ''उन्होंने (शाह) पूरी योजना बनाई और अब हँस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान ने अचानक ''स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़'' को जहाजों के आवागमन के लिए खोलने की घोषणा की

इससे अमेरिका की स्थिति अटपटी, खिसयानी बिल्ली जो खंभा नोचे, जैसी हुई

- ट्रंप ने अपना महत्व जताते हुए, अपना ब्लॉकेड अभी कुछ समय और जारी रखने का ऐलान किया।
- ट्रंप को यह बर्दाश्त नहीं हो रहा कि उनके वहाँ खाड़ी युद्ध में मौजूद होते हुए, ईरान ने एक तरफा घोषणा करने की पहल, अमेरिका के हाथ से खींच ली।
- यूरोपीय देश, फ्रांस के तत्वाधान में पैरिस में मिले और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ खोलने की प्रक्रिया पर गहराई से चर्चा कर रहे हैं।
- अपना ब्लॉकेड कुछ और समय तक जारी रखकर, अमेरिका, चीन से छेड़-छाड़ करता नज़र आ रहा है। क्योंकि, चीन की ''ऑयल'' की जरुरत, मुख्य रूप से ईरान के ऑयल से पूरी होती है और अगर इस सप्लाई में अमेरिका का ब्लॉकेड बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थिति विकट बन सकती है।
- इसलिए संभावना यह बन रही है कि ईरान-अमेरिका शांति वार्ता शीघ्र ही प्रारंभ होगी।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। अचानक ही मिडिल ईस्ट के सभी मोर्चों पर शांति का माहौल बनता दिख रहा है। ईरान ने होर्मुज़ स्ट्रेट खोलने की घोषणा की है, इज़रायल और लेबनान युद्धिवराम की बात कह रहे हैं, जिससे राजधानी बेरुत में जश्न का माहौल है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका ईरान के जब्त किए गए 20 अरब डॉलर को अनफ्रीज करने पर विचार कर रहा हैं।

लेकिन स्पष्ट रूप से ईरान ने पश्चिम एशिया युद्ध में शांति की पहल अपने हाथ में ले ली है, और अमेरिका को पीछे छोड़कर एकतरफा घोषणा की है कि होर्मुज़ स्ट्रेट अब ''सभी वाणिज्यिक जहाजों के लिए पूरी तरह खुला है।''

ईरानी कदम से महत्वपूर्ण जल मार्ग खोलने की खबर सुनते ही तेल की कीमतों में अचानक गिरावट आई। दुनिया भर के देश समुद्री क्षेत्र के व्यापार से जुड़े पक्ष ईरान की एकतरफा और अचानक घोषणा से चौंक गए हैं।

पेरिस में होर्मुज़ स्ट्रेट पर आयोजित एक बहुराष्ट्रीय सुरक्षा सम्मेलन में, जिसमें सभी यूरोपीय नेताओं ने भाग लिया, अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) के प्रमुख ने कहा कि आईएमओ तत्काल क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ होर्मुज़ स्ट्रेट के माध्यम से सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के लिए संपर्क कर रहा है।

फ्रांस के नेतृत्व में यूरोपीय देशों के नेता पेरिस में होर्मुज़ स्ट्रेट के पुनः खुलने की निगरानी के लिए एक बहुराष्ट्रीय बल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रूस से तेल खरीदने का तरीका बदलेगा भारत

भारतीय कंपनियां सीधे रूस से तेल खरीदने की बजाय मध्यस्थों से तेल खरीदने के विकल्प पर विचार कर रही हैं

- अमेरिका ने रूस से तेल आयात पर जो एक महीने की छूट दी थी उसे समाप्त कर दिया है, ऐसे में यह सवाल चर्चित है कि क्या भारत रूस से तेल खरीद जारी रखेगा या अमेरिकन दबाव में आकर तेल निर्यात बंद कर देगा? भारत सरकार ने साफ कर दिया है कि रूस से तेल आयात जारी रहेगा, पर अलग तरीके से।
- असल में रूस से भारत को कम कीमत में तेल मिल रहा है, भारत कदापि रूस से तेल खरीद बंद नहीं करना चाहता। पर, कुछ क्षेत्रों में शिपिंग जोखिम, सप्लाई चेन में बाधा से मामला कुछ संवेदनशील है। मध्यस्थों के जरिए तेल खरीद एक जटिल प्रक्रिया है तथा इसमें निगरानी रहने की भी संभावना है।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। अब, जब अमेरिका ने रूसी कच्चे तेल के आयात पर अपनी अल्पकालिक छूट को समाप्त कर दिया है, तो क्या भारत अमेरिकी संबंधों को नुकसान पहुँचाए बिना रूसी तेल का आयात जारी रख सकता है?

भारत ने अपने कच्चे तेल खरीद के विकल्प बढ़ाने का काम किया है तथा कई देशों से तेल खरीद रहा है। इस लिहाज से, भारत से अपेक्षा नहीं की जाती कि वह रूसी तेल खरीदना बंद कर दे, लेकिन दोनों देशों के बीच व्यापार करने का तरीका बदलने की संभावना है।

अमेरिकी छूट अवधि के दौरान, भारत ने रूसी कच्चे तेल का आयात बढ़ाया था तथा मार्च 2026 में यह लगभग दो मिलियन बैरल प्रतिदिन तक पहुँच गया। इससे रूस भारत के सबसे बड़े तेल आपूर्तिकर्ताओं में से एक बन गया।

ऐसी संभावना है कि आगामी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप ने पाकिस्तान जाने के संकेत दिए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। वाइट हाउस के संवाददाताओं से बातचीत में अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर चल रही कूटनीति से जुड़ा कोई समझौता अंतिम रूप ले लेता है, तो वह पाकिस्तान जा सकते हैं। मैं पाकिस्तान जाऊँगा, हाँ... इस्लामाबाद, मैं ''मैं

- अमेरिकन राष्ट्रपति ने कहा, अगर ईरान के साथ डील इस्लामाबाद में साइन होती है तो वे भी वहाँ जा सकते हैं।

शायद जाऊँगा, उन्होंने कहा। अगर समझौता इस्लामाबाद में होता है, तो मैं जा सकता हूँ... वे मुझे चाहते हैं।''

उन्होंने पाकिस्तान के साथ संबंधों का उल्लेख सकारात्मक शब्दों में किया। ''पाकिस्तान शानदार रहा है, वे बहुत अच्छे रहे हैं।'' उन्होंने कहा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'डोन्ट डू ईट', परिसीमन पर थरुर ने केन्द्र सरकार को चेतावनी दी

कांग्रेस सांसद शशि थरुर ने लोकसभा में चर्चा के दौरान कहा कि जल्दबाजी में किया गया परिसीमन राजनैतिक नोटबंदी साबित होगा

- थरुर ने कहा, आपने परिसीमन का प्रस्ताव वैसी ही जल्दबाजी में रखा है, जितनी जल्दबाजी में नोटबंदी की थी और उससे कितना भारी नुकसान हुआ था, हम सब जानते हैं।
- थरुर ने कहा, महिला आरक्षण पर हम सभी सहमत हैं। सरकार कहती है, यह न्याय का उपहार है, पर इसे कांटेदार तारों में लपेट दिया गया है। सरकार ने महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़ा है, जो 2011 जनगणना पर आधारित है।
- ऐसा हुआ तो राज्यों के बीच भारी असंतुलन पैदा होगा।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। इसे मत करो, यह संदेश शुक्रवार को शशि थरूर ने केन्द्र सरकार को दिया, जब परिसीमन पर बहस चल रही थी, एक ऐसा कदम जो संसदीय और विधानसभा क्षेत्रों को नए सिरे से तय करेगा।

कांग्रेस सांसद ने 2016 की नोटबंदी को चेतावनी की कहानी के रूप में उद्धत किया और भाजपा नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार से कहा कि सीमांकन प्रक्रिया पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए।

थरूर ने कहा, ''सहकारी संघवाद का क्या होगा? आपने परिसीमन का प्रस्ताव उतनी ही जल्दी में रखा है, जितनी जल्दी आपने नोटबंदी की थी... दुर्भाग्य से, हम जानते हैं कि इससे क्या नुकसान हुआ। परिसीमन राजनीतिक नोटबंदी साबित होगा। इसे मत करो।''

महिला आरक्षण कानून में संशोधन के लिए संविधान (131वाँ संशोधन) विधेयक गुरुवार को लोकसभा में वोट विभाजन के बाद पेश किया गया। दो अन्य साधारण विधेयक, परिसीमन विधेयक और केन्द्र शासित प्रदेश में प्रस्तावित संशोधित महिला आरक्षण कानून को लागू करने के लिए केन्द्र शासित प्रदेश (संशोधन) विधेयक, भी सदन में पेश किए गए।

उन्होंने कहा, ''आज हम एक ऐसे मुकाम पर खड़े हैं, जहाँ महिलाओं के आरक्षण के पक्ष में लगभग सर्वसम्मत राजनीतिक सहमति है। हर प्रमुख पार्टी यह समझती है कि प्रतीकात्मकता का समय समाप्त हो गया है और सामूहिक साझेदारी का युग शुरू होना चाहिए, फिर भी मैं खुद हमारे सामने चल रही विधायी प्रक्रिया को लेकर गहराई से चिंतित हूँ।

सांसद ने कहा, ''प्रधानमंत्री कहते हैं कि सरकार ''नारी शक्ति'' लायी है, यह न्याय का उपहार है, लेकिन इसे कांटेदार तार में लपेट दिया गया है, और महिला आरक्षण के लागू होने को संसद विस्तार से जोड़ा गया है, जो 2011 की जनगणना के आंकड़ों और परिसीमन प्रक्रिया पर आधारित है।''

उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण तैयार है और मौजूदा संसदीय ताकत के आधार पर तुरंत लागू किया जा सकता है, और किया जाना चाहिए।

उन्होंने सवाल उठाया, ''श्रीमान अध्यक्ष, हमें एक नैतिक अनिवार्यता को जनसांख्यिकीय जाल में क्यों उलझाना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खंडपीठ ने वेटनरी ऑफिसर भर्ती की परीक्षा तिथि बदलने से इंकार किया

जयपुर, 17 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने आरपीएससी की ओर से 19 अप्रैल को आयोजित होने वाली वेटनरी ऑफिसर भर्ती-2025 परीक्षा की तिथि में बदलाव से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही,

- अदालत ने याचिकाकर्ता को एकलपीठ के समक्ष लंबित याचिका में आपत्तियाँ उठाने को कहा।

अदालत ने याचिकाकर्ता को कहा है कि वह पात्रता संबंधी अपनी आपत्तियां एकलपीठ के समक्ष लंबित याचिका में उठाए। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने ये आदेश नरेन्द्र कुमार व अन्य की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'15 अप्रैल को हमने आदेश दिया, यहाँ नया आवेदन करने की बजाय आपने असम कोर्ट में आवेदन क्यों नहीं किया'

पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका को रद्द करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की

- यही नहीं सुप्रीम कोर्ट ने गलत दस्तावेज (गलत आधार कार्ड) पेश करने के लिए भी फटकारा। खेड़ा के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, जल्दबाजी में दस्तावेज संलग्न किए गए थे इसलिए गलती हो गई, इस छोटी सी त्रुटि के कारण जमानत नहीं रोकी जा सकती। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, आप फर्ज़ी दस्तावेज पेश नहीं कर सकते। सिंघवी ने कहा, यह जल्दबाजी में हुई गलती थी, जिसे ठीक कर लिया गया था।
- सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा, सारा मामला असम का है तो खेड़ा असम की अदालत क्यों नहीं गए, उन्होंने तेलंगाना हाई कोर्ट का रूख क्यों किया।
- खेड़ा की ओर से उनके वकील ने अग्रिम जमानत मंगलवार तक बढ़ाने का आग्रह किया, जिसका असम सरकार के वकील सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने विरोध किया और कहा, असम की अदालत शुक्रवार को भी खुली है, खेड़ा को कोई भी रोक नहीं रहा है, वहाँ जाने से

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत बढ़ाने से इनकार कर दिया। उनके खिलाफ यह मामला असम में दर्ज किया गया था, क्योंकि उन्होंने मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी, रिंकी भुइयां सरमा, पर विदेशी पासपोर्ट रखने का आरोप लगाया था।

खेड़ा ने बुधवार के कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ आवेदन दाखिल किया था, जिसमें 10 अप्रैल को तेलंगाना उच्च न्यायालय के उस फैसले को रोक दिया गया था, जिसमें उन्हें एक हफ्ते की ट्रांज़िट अग्रिम जमानत दी गई थी। उन्होंने कहा कि उनकी गिरफ्तारी से पहले की जमानत याचिका सोमवार को गुवाहाटी उच्च न्यायालय में सुनी जा सकती है। खेड़ा ने अनुरोध किया कि अग्रिम जमानत को मंगलवार तक बढ़ाया जाए।

न्यायाधीश जे.के. महेश्वरी और ए.एस. चंदुरकर की बैंच ने कहा, ''हमारा आदेश 15 अप्रैल बुधवार को पारित हुआ था। यहाँ नया आवेदन करने के बजाय, वहां याचिका क्यों नहीं पेश की गई?''

खेड़ा की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट के उस कथन का हवाला दिया कि उनके मुवक्किल ने उच्च न्यायालय में जमानत आवेदन के साथ ''जाली और फैब्रिकेटेड'' आधार कार्ड प्रस्तुत किया था। सिंघवी ने कहा कि, दस्तावेज़ जल्दबाज़ी में दाखिल किया गया था।

उन्होंने कहा कि सुनवाई के दौरान इसे सही दस्तावेज़ से बदल दिया गया। सिंघवी ने कहा कि अदालत को इस तथ्य की जानकारी नहीं दी गई।

सिंघवी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की किसी टिप्पणी से जमानत याचिका की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'एक माह में पुत्रवधु को अनुकंपा नियुक्ति दें'

जयपुर, 17 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक बार फिर दोहराया है कि पुत्रवधु भी अनुकंपा नियुक्ति की हकदार है। इसके साथ ही अदालत ने सार्वजनिक निर्माण विभाग को कहा है कि वह एक माह में याचिकाकर्ता को अपने ससुर के स्थान पर अनुकंपा

- हाई कोर्ट ने सुंदरी देवी की याचिका पर सार्वजनिक निर्माण विभाग को आदेश दिए।

नियुक्ति दे। अदालत ने चेताया है कि नियुक्ति देने में एक दिन की भी देरी की गई तो अधिकारी इसके लिए जिम्मेदार होंगे। यदि मामले में विलंब हुआ तो अदालत स्वप्रेरणा से जिम्मेदार अफसरों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई आरंभ करेगी। जस्टिस रवि चिरानिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाईकोर्ट ने दुष्कर्म और हत्या के आरोपी की फांसी को आजीवन कारावास में बदला

हाईकोर्ट ने डूंगरपुर में 10 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में फैसला सुनाया

- **हाईकोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि अपराध जघन्य जरूर है, लेकिन यह दुर्लभ से दुर्लभतम (रेयरेस्ट ऑफ रेयर) की श्रेणी में नहीं आता**
- **कोर्ट ने पाया कि दोषी जितेंद्र का कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, वह विवाहित है और उसके दो छोटे बच्चे हैं**

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर मुख्यपीठ ने डूंगरपुर में 10 साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में आरोपी की फांसी की सजा को शेष प्राकृतिक जीवन के लिए आजीवन कारावास में बदल दिया है।

जस्टिस विनीत कुमार माथुर और जस्टिस चंद्र शेखर शर्मा की खंडपीठ ने रेप व मर्डर के दोषी जितेंद्र उर्फ जीतू को विशेष पॉक्सो कोर्ट द्वारा सुनाई गई फांसी की सजा के आदेश में ये संशोधन किया है। कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि अपराध जघन्य जरूर है, लेकिन यह दुर्लभ से दुर्लभतम (रेयरेस्ट ऑफ रेयर) की श्रेणी में नहीं आता-क्योंकि आरोपी पहली बार का अपराधी है, उसका कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है और वह पत्नी और दो नाबालिग बच्चों का मुखिया है।

यह घटना डूंगरपुर जिले के एक थाना क्षेत्र की है। 28-29 जून 2022 की आधी रात को पीड़ित मासूम बच्ची अपने घर के आंगन में अपनी मां और भाई-बहनों के साथ सो रही थी। सुबह करीब 5:30 बजे जब उसकी मां की आंख खुली, तो उन्होंने पाया कि बच्ची बिस्तर से गायब थी। परिजनों ने आसपास के खेतों और रास्तों पर उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। इसी दिन शाम को एक मार्ग पर एक पुलिया के भीतर बच्ची का लहूलुहान शव बरामद हुआ। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया और 2 जुलाई 2022 को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी जितेंद्र उर्फ जीतू को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में डॉ. गुणवंती मीणा द्वारा किए गए पोस्टमॉर्टम में यह पुष्टि हुई कि बच्ची के साथ वीभत्स यौन हमला किया गया था और उसके सिर पर भारी पत्थर से प्रहार करने के साथ ही गला घोंटकर उसकी हत्या की गई थी।

गवाह मोगा कटारा ने बयान दिया कि 29 जून को सुबह 6:30 बजे उसने आरोपी जितेंद्र उर्फ जीतू को उसी पुलिया के पास बीयर की बोतल लिए देखा था। पूछने पर आरोपी ने कहा कि उसे रातभर से चिंता है। एक अन्य गवाह ने 28 जून की शाम आरोपी के साथ पीने की बात कबूली और उस दौरान ली गई फोटो में आरोपी की बेज रंग की शर्ट पहचानी। इसी आधार पर 2 जुलाई 2022 को आरोपी को गिरफ्तार किया गया। 3 जुलाई को उसके घर से वही शर्ट और अन्य कपड़े बरामद हुए। फॉरेंसिक रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि शर्ट पर पीड़ित बच्ची का खून और पीड़ित के कपड़ों पर आरोपी के बाल मिले, यह साक्ष्यों की कड़ी निर्णायक रही। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान मर्डर रेफरेंस और दोषी की अपील पर लंबी कानूनी जिरह हुई। आरोपी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विनीत जैन ने तर्क दिया कि अभियोजन का पूरा मामला केवल परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित है।

उन्होंने दलील दी कि पुलिस ने आरोपी के घर से जो कपड़े बरामद किए, उस समय घर पर कोई ताला नहीं लगा था और न ही कोई स्वतंत्र गवाह मौजूद था, जो इस रिकवरी को संदिग्ध बनाता है। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि आरोपी वारदात के बाद न तो फरार हुआ और न ही उसने छिपने की कोशिश की, जो उसकी निर्दोषता का एक बड़ा संकेत है।

इसके विपरीत, राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता दीपक चौधरी ने ट्रायल कोर्ट के फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि एक 10 साल की असहाय बच्ची के साथ की गई यह दरिंदगी समाज की अंतरात्मा को झकझोरने वाली है, इसलिए मृत्युदंड ही एकमात्र न्यायोचित सजा है।

खंडपीठ ने साक्ष्यों का गहनता से पुनर्मूल्यांकन करते हुए माना कि अभियोजन पक्ष ने दोषसिद्धि की कड़ियों को वैज्ञानिक रूप से साबित किया है। एफएसएल रिपोर्ट में मृतक की टी-शर्ट पर आरोपी के सिर के बाल मिले और आरोपी की शर्ट पर मृतक के खून की पुष्टि हुई। इसके अलावा, गवाह मोगा कटारा ने घटना वाली सुबह आरोपी को उसी पुलिया से बाहर निकलते देखा था, जहां बाद में शव मिला। इन साक्ष्यों के आधार पर कोर्ट ने दोषी की सजा को बरकरार रखा, लेकिन मृत्युदंड के प्रश्न पर उदार रुख अपनाया। सजा को उम्रकैद में परिवर्तित करते हुए अदालत ने संदर्भ मामले के सिद्धांतों का हवाला दिया। कोर्ट ने पाया कि दोषी जितेंद्र का कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। वह विवाहित है और उसके दो छोटे बच्चे हैं। कोर्ट ने अपने निष्कर्ष में कहा कि चूंकि अपराध पूर्व-नियोजित नहीं था और अपराधी की सामान्य सामाजिक- आर्थिक पृष्ठभूमि व जेल में उसके आचरण को देखते हुए उसमें सुधार की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इन्हीं मानवीय और कानूनी पहलुओं को आधार बनाकर हाईकोर्ट ने फांसी की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया।

श्रीगंगानगर में किसान की फर्जी फर्म बनाकर करोड़ों की ठगी

- **आरोपी ने घर बैठे कमाई का झांसा देकर चेक बुक ली, लीगल नोटिस मिलने लगे तो पता चला**

श्रीगंगानगर, (निसं)। एक साधारण किसान को फर्जी तरीके से व्यापारिक फर्म का प्रोप्राइटर बना कर करोड़ों रुपए का माल उठाने का बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है।

पूनिया ट्रेडर्स के नाम से खाद, बीज और पेस्टिसाइड्स का व्यापार करने वाले रमन पूनिया पर आरोप है कि उन्होंने गांव के किसान रिछपाल बिश्नोई को हिस्सेदार बनने का लालच देकर बैंक के कागजातों पर दस्तखत करवा लिए। इसके बाद चेक बुक अपने पास में रख ली। बाद में किसान के नाम से अनादरित चेक देकर कई फर्मों से माल मंगवाया और अब किसान पर करोड़ों की देनदारी के कानूनी नोटिस आ रहे हैं। किसान रिछपाल बिश्नोई पुत्र शंकरलाल, निवासी गांव 65 एलएनपी ने एसपी को शिकायत देकर रमन पूनिया, निवासी कालूवाला के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

पुलिस के अनुसार, रमन पूनिया का ननिहाल पीड़ित के गांव में है, जिसके चलते दोनों के बीच जानकारी हुई। रिछपाल बिश्नोई ने शिकायत में बताया कि रमन पूनिया ने उन्हें साधुवाली बाइपास पर स्थित पूनिया ट्रेडर्स फर्म में पार्टनर बनाने का प्रस्ताव दिया और कहा कि घर बैठे पैसे कमा कर दूंगा। इसके लिए बैंक से लोन दिलवाने का बहाना बनाकर कागजातों पर हस्ताक्षर करवा लिए। निजी बैंक में किसान का खाता खुलवाकर चेक बुक जारी कराई और उसे अपने पास रख लिया। कुछ दिनों बाद रमन पूनिया ने बताया कि लोन नहीं मिला, इसलिए हिस्सेदारी की बात खत्म। लेकिन असली खेल उसके बाद शुरू हुआ। वर्ष 2023 में रमन पूनिया उनके घर आए और कुछ लिफाफे थमा दिए। इनमें किसान के नाम से चेक अनादरित (बाउंस) होने पर कानूनी कार्रवाई के नोटिस थे। हैरान किसान ने देखा कि वह कभी फर्म का प्रोप्राइटर ही नहीं बना था, फिर भी उसके नाम पर करोड़ों रुपए का माल विभिन्न फर्मों से उठाया गया और चेक उनके नाम के दिए गए।

किसान ने बताया कि मुझे फंसाने के लिए पूरा फर्जीवाड़ा रचा गया। मैं खेती-बाड़ी करता हूं, व्यापार की इन बातों से अनजान था। अब कंपनियों से कानूनी नोटिस आ रहे हैं और करोड़ों की देनदारी मेरे सिर पर लाद दी गई है। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। रमन पूनिया पर धोखाधड़ी, जालसाजी और विश्वासघात के गंभीर आरोप लगे हैं।

पेड़ से लटके मिले प्रेमी युगल, आत्महत्या की आशंका जताई

- **सेना का जवान सप्ताह पहले छुट्टी पर आया था, पारिवारिक विवाद के बाद घर से निकला था**
- **बताया जा रहा है कि युवती से पहचान इंस्टाग्राम के माध्यम से हुई थी**

झुंझुनूं/गुढ़ागौड़जी, (निसं)। भोड़की गांव के जोहड़ क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक प्रेमी युगल के शव पेड़ से लटके मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही गुढ़ागौड़जी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना कर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक तौर पर मामला आत्महत्या का माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब छह बजे गांव निवासी दिनेश कुमावत जब जोहड़ की ओर गए तो उन्होंने कीकर के पेड़ पर युवक और युवती को लटका देखा। यह दृश्य देखकर उन्होंने तुरंत ग्रामीणों को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस को बुलाया।

पुलिस को मौके पर दोनों के पास कुछ संदिग्ध गोलियां भी मिली हैं, जिससे जहर सेवन की आशंका भी जताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। दोनों शवों को कब्जे में लेकर गुढ़ागौड़जी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में भिजवाया गया।

पुलिस ने युवक की जेब से मिले आधार कार्ड के आधार पर उसकी पहचान भिवानी निवासी 32 वर्षीय सुनील कुमार के रूप में की, जबकि युवती की पहचान खींवासर गांव निवासी इंदुबाला के रूप में हुई। सूचना मिलते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया और परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए। परिजनों ने बताया कि सुनील भारतीय सेना में कार्यरत था और करीब एक सप्ताह पहले ही छुट्टी लेकर घर आया था। बताया जा रहा है कि उसकी युवती से पहचान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के माध्यम से हुई थी, जो धीरे-धीरे प्रेम संबंध में बदल गई।

परिवार के अनुसार सुनील को युवती से वीडियो कॉल पर बात करते हुए उसकी पत्नी ने देख लिया था, जिसके बाद घर में विवाद बढ़ गया था। गुरुवार शाम करीब पांच बजे सुनील घर से निकला था, जिसके बाद उसका मोबाइल फोन बंद हो गया। परिजन रातभर उसकी तलाश करते रहे, लेकिन सुबह इस दुखद घटना की सूचना मिली। पुलिस जांच के दौरान मोबाइल लोकेशन के आधार पर दोनों के परिजनों को भी मौके पर बुलाया गया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि घटना के पीछे परिस्थितियां क्या रही।

डेयरी संचालक ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दी

- **मृतक की जेब से मिले सुसाइड नोट में लिखा कि बैंक का लोन नहीं चुका पा रहा हूं, बैंक वालों ने प्रेशर बना रखा है**

चिड़ावा/झुंझुनूं, (निसं)। कर्ज के बोझ और बैंक के कथित दबाव ने एक और परिवार उजाड़ दिया। सूरजगढ़ क्षेत्र के मावंडियों की ढाणी के पास गुरूवार रात एक डेयरी संचालक ने ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जान दे दी। मृतक की जेब से मिले सुसाइड नोट में उसने साफ लिखा- बैंक का लोन नहीं चुका पा रहा हूं, बैंक वालों ने प्रेशर बना रखा है। मृतक विनोद पूनिया (50) निवासी रामरख की ढाणी, उधमपुरा ने डेयरी संचालन के लिए बैंक से करीब 31 लाख 11 हजार रुपए का लोन लिया था।

जानकारी के अनुसार, पशुधन में नुकसान और आर्थिक तंगी के चलते वह किश्तें नहीं चुका पा रहा था। बताया जा रहा है कि हाल ही में बैंक की ओर से बकाया राशि का नोटिस दिया गया था, जिसके बाद तनाव और बढ़ गया। विनोद की जेब से मिले सुसाइड नोट में लिखा मिला कि मेरे गायों की डेयरी है, उसमें नुकसान हो रहा है। बैंक का लोन नहीं चुका पा रहा हूं। बैंक वाले प्रेशर डाल रहे हैं, इसलिए यह कदम उठा रहा हूं।

परिजनों के अनुसार, विनोद गुरुवार सुबह घर से यह कहकर निकला था कि वह दूध का भुगतान लेने और पशुओं के लिए चारा लाने जा रहा है। शाम तक घर नहीं लौटने पर चिंता बढ़ी, और रात करीब सवा 9 बजे पुलिस का फोन आया-जिसके बाद परिजन रेलवे स्टेशन पहुंचे, जहां विनोद का शव मिला। परिवार का आरोप है कि दो-तीन दिन पहले बैंक मैनेजर और कर्मचारी घर आए थे और किश्त जमा नहीं करने पर पुलिस कार्रवाई की धमकी दी थी। इसी के बाद से विनोद गहरे तनाव में था, गुमसुम रहने लगा था और किसी से ज्यादा बात नहीं करता था।

घटना की सूचना मिलते ही चिड़ावा थाने से एएसआई ओमप्रकाश नरूका मौके पर पहुंचे। पुलिस ने सुसाइड नोट और बैंक के दस्तावेज जब्त कर लिए हैं। शव को उप जिला अस्पताल की मॉर्च्यूरी में रखवाया गया है, जहां मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया जाएगा। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीण शुक्रवार सुबह चिड़ावा थाने पहुंचे और बैंककर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। वहीं ग्रामीणों ने मृतक परिवार के लिए पूरा कर्ज माफ करने, परिवार के भरण-पोषण की व्यवस्था करने की मांग उठाई है।

शेखावाटी की जीवनरेखा 'काटली नदी' को बचाने के लिए जन अभियान तेज

हरित पट्टिका, अतिक्रमण मुक्त धारा और सिंधु जल प्रवाह की मांग उठी

- **सरस्वती रूरल एंड अरबन डेवलपमेंट सोसायटी, झुंझुनूं के नेतृत्व में अभियान संयोजक सुभाष कश्यप सहित अनेक सामाजिक, कानूनी व शिक्षाविद् प्रतिनिधियों ने जिला कलैक्टर डॉ. अरुण गर्ग को ज्ञापन सौंपा**

झुंझुनूं, (निसं)। शेखावाटी क्षेत्र की जीवनरेखा मानी जाने वाली काटली नदी के पुनर्जीवन को लेकर जनआवाज अब मजबूत होती नजर आ रही है। काटली नदी बचाओ जन अभियान के तहत नदी के दोनों तटों पर व्यापक वृक्षारोपण कर हरित पट्टिका विकसित करने, सहायक नालों और जल स्त्रोतों को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा नदी क्षेत्र में जल संरचनाओं के सुदृढ़ निर्माण की महत्त्वाकांक्षी मांग उठाई गई है।

सरस्वती रूरल एंड अरबन डेवलपमेंट सोसायटी, झुंझुनूं के नेतृत्व में अभियान संयोजक सुभाष कश्यप सहित अनेक सामाजिक, कानूनी व शिक्षाविद् प्रतिनिधियों ने जिला कलैक्टर डॉ. अरुण गर्ग को ज्ञापन सौंपते हुए काटली नदी के समग्र पुनर्जीवन की विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत की। ज्ञापन में उद्गम स्थल से लेकर विभिन्न क्षेत्रों तक नदी के संरक्षण, संवर्धन और दीर्घकालिक उपयोग की रणनीति को रेखांकित किया गया। ज्ञापन में प्रमुख रूप से नदी के दोनों किनारों पर स्थानीय जलवायु के अनुकूल, दीर्घायु वृक्षों का रोपण कर हरित पट्टिका विकसित करने की माँग की गई है, जिससे न केवल पर्यावरण संतुलन मजबूत होगा, बल्कि भविष्य में अतिक्रमण की आशंकाओं पर भी प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। साथ ही नदी के सीमांकन की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने पर भी जोर दिया गया। अभियानकर्ताओं ने काटली नदी के उद्गम स्थल सहित सहायक नालों व जल स्त्रोतों को अतिक्रमण मुक्त कराने की आवश्यकता पर बल देते हुए जोधपुरा सुनारी, मैनपुरा, हीरवाना और बगड़ क्षेत्र में जल सोखता बाँध (रिचार्ज स्ट्रक्चर) बनाने का प्रस्ताव रखा। इसके साथ ही नदी में सिंधु जल प्रवाहित करने की माँग भी प्रमुख रूप से उठाई गई, ताकि क्षेत्र में जल संकट का स्थायी समाधान संभव हो सके।

संयोजक सुभाष कश्यप ने बताया कि काटली नदी को पुनर्जीवित करने के इस अभियान को व्यापक स्तर पर ले जाया जाएगा। इसके तहत जल्द ही सीकर, झुंझुनूं और चूरू के जिला कलेक्टरों के साथ-साथ शेखावाटी क्षेत्र के सांसद बृजेंद्र सिंह ओला, राहुल कस्वां और अमराराम को भी प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे जाएंगे।

जिला कलैक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने नदी एक्टिविस्टों की बात को गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया, जिससे अभियान को नई ऊर्जा मिली है। ज्ञापन पर महेश बसावतिया, एडवोकेट महेंद्र कुमार, सतीश मिश्रा, धर्मपाल यादव, दीपक मीणा, मदन खैरवा, धन सिंह कश्यप, विजय सिंह ओला सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों के हस्ताक्षर रहे।

महिला कर्मचारी की स्कूटी चोरी

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर के आदर्श नगर थाना क्षेत्र मेंएक महिला कर्मचारी की स्कूटी चोरी हो गई। जानकारी अनुसार, एक निजी अस्पताल में कार्यरत महिला कर्मचारी रोजाना की तरह अपने काम पर पहुंची थी। उसने अस्पताल के बाहर अपनी स्कूटी खड़ी की और ड्यूटी पर चली गई। लेकिन जब वह अपनी ड्यूटी पूरी कर बाहर लौटी, तो वहां उसकी स्कूटी नहीं मिली। काफी तलाश करने के बाद भी वाहन का कोई सुराग नहीं लगा। घटना के बाद महिला ने तुरंत आदर्श नगर थाना में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उदयपुर में बस और ट्रेलर में भिड़ंत, बस कंडक्टर घायल

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के डबोक थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात स्लीपर बस और ट्रेलर के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद ट्रेलर का केबिन टूटकर इंजन से पूरी तरह से अलग हो गया जबकि बस के पिछले टायर निकलने से अनियंत्रित होकर बस नाले में फंस गई। हादसे के बाद दोनों ड्राइवर मौका देखकर भाग निकले।

हादसा डबोक थाना क्षेत्र में तुलसीदास जी की सराय स्थित शाश्वत धाम कट पर गुरुवार रात करीब 12 बजे हुआ। गनीमत यह रही कि उस वक्त बस में केवल दो ही यात्री सवार थे, वरना एक बड़ी जनहानि हो सकती थी। हादसे में यात्रियों को ज्यादा चोट नहीं आई लेकिन बस का कंडक्टरघायल हो गया। निजी स्लीपर बस डबोक सर्विस रोड से होते हुए उदयपुर नेशनल हाईवे पर चढ़ने की कोशिश कर रही थी। हाईवे पर चढ़ने के लिए बस ड्राइवर ने जैसे ही राइट टर्न लिया उसने पीछे से आ रहे वाहनों पर ध्यान नहीं दिया। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहा एक ट्रेलर सीधे बस से जा भिड़ा। बस अनियंत्रित होकर सर्विस रोड के किनारे बने नाले में जाकर फंस गई।

झुंझुनूं में खिलौना गोदाम में भीषण आग लगी

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के भीड़भाड़ वाले बस स्टैंड क्षेत्र में शुक्रवार शाम उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब शारदा हॉस्पिटल के पीछे स्थित एक खिलौना गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और इसकी लपटें हॉस्पिटल के पिछले हिस्से तक पहुंच गई। हालांकि, समय रहते फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर करीब 30 मिनट में आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार घटना शाम करीब 4:30 से 5 बजे के बीच मान नगर स्थित शारदा हॉस्पिटल के पास हुई। हॉस्पिटल के पीछे अशोक वालिया के प्लॉट में बने कमरों में प्लास्टिक के खिलौनों का गोदाम संचालित था, जहां बड़ी मात्रा में खाली गत्ते (कार्टन) भी रखे हुए थे। इन्हीं ज्वलनशील सामग्री में अज्ञात कारणों से आग भड़क उठी। प्लास्टिक और गत्तों के कारण आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया। तेज लपटों ने पास स्थित हॉस्पिटल की बिल्डिंग के पिछले हिस्से को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वहां लगे कूलर डक्ट में भी आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस थानाधिकारी श्रवण कुमार पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। भीड़भाड़ वाले संकरे इलाके में लोगों को तत्काल सुरक्षित दूरी पर हटाया गया।

अजमेर में नकली मुनीम बनकर पांच लाख की ठगी

अजमेर, (कासं)। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में धोखाधड़ी का एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां किशनगढ़ निवासी एक युवक से खुद को मुनीम बताने वाले व्यक्ति ने पांच लाख रुपए ठग लिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एएसआई रामनिवास ने बताया कि किशनगढ़ निवासी दीपक परैवा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि वह अपने परिचित की दुकान पर बैठा हुआ था। इसी दौरान दिलीप सिंह नाम का व्यक्ति वहां आया और खुद को त्रिलोक जैन का मुनीम बताया। आरोपी ने कहा कि उसका सेठ बिठूर में बने गोदाम रखा कुछ सामान बेचना चाहते हैं, जिसकी कुल कीमत 11 लाख रुपए है। आरोपी की बातों में आकर दीपक ने सौदे के लिए सहमति दे दी और 5 लाख रुपए नकद दे दिए। इसके बाद दोनों के बीच एग्रीमेंट भी कर लिया गया। आरोपी ने पीड़ित से कहा कि वह जीसीए चैराहा पहुंचे, वह पीछे-पीछे आता है। जब आरोपी जीसीए चैराहे पर नहीं पहुंचा तो दीपक ने उसे फोन किया। इस पर आरोपी ने उसे बिठूर स्थित गोदाम पहुंचने को कहा। जब पीड़ित वहां पहुंचा और चैकीदार से बात की, तो मालिक से संपर्क करने पर स्पष्ट हुआ कि उनके यहां इस नाम का कोई मुनीम नहीं है और न ही कोई सामान बिक्री के लिए रखा गया है। घटना के बाद पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ और उसने सिविल लाइन थाने में मामला दर्ज कराया।

जोधपुर : लॉरेंस के नए गुर्गे ने पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष से दो करोड़ की फिरौती मांगी

- **टाइसन विश्नोई ने खुद को लॉरेंस गैंग का सदस्य बताते हुए धमकी दी**

जोधपुर, (कासं)। कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई का एक नया गुर्गा सामने आया है, जिसका नाम टाइसन विश्नोई है। टाइसन ने जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष सुनील चौधरी को गुरुवार को जान से मारने की धमकी देकर दो करोड़ रुपए की फिरौती मांगी है। टाइसन विश्नोई ने खुद को लॉरेंस गैंग का सदस्य बताते हुए यह धमकी दी है। इसको लेकर सुनील चौधरी ने रातानाडा थाने में रिपोर्ट दी है।

थानाधिकारी दिनेश लखावत ने बताया कि अयोध्याराज अपार्टमेंट, पीडब्ल्यूडी कॉलोनी के पास रहने वाले सुनील चौधरी पुत्र पूनाराम ने मामला दर्ज कराया है। इसमें बताया कि उसके मोबाइल पर गुरुवार सुबह व्हॉट्सएप के जरिए एक विदेशी कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस गैंग का सदस्य टाइसन विश्नोई होना बताया और दो करोड़ की फिरौती मांगते हुए जान की धमकी दी। टाइसन विश्नोई ने सुनील चौधरी से कहा कि दो दिन में दो करोड़ रुपए देने होंगे। वह उसकी पूरी दिनचर्या जानता है। रुपए नहीं दिए तो कभी भी मार देगा। थानाधिकारी ने बताया कि धमकी देकर फिरौती मांगने का मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की पड़ताल की जा रही है। टाइसन विश्नोई ने जिस नंबर से चौधरी को व्हाट्सएप कॉल किया, उस नंबर का कोड दक्षिण अमेरिकी शहर वर्जीनिया का था। हालांकि यह अभी जांच का विषय है कि कॉल वहां से ही की गई है या नहीं।

लॉरेंस विश्नोई गिरोह के सदस्यों ने पहली बार जोधपुर में 2017 में एक डॉक्टर व एक ट्रैवलर के घर फायरिंग कर एंट्री ली थी। इसके बाद पुलिस ने कई लोगों को पकड़ा। लॉरेंस के ही एक गुर्गे ने जोधपुर में वासुदेव इसरानी की हत्या कर दी थी, जिसके आरोप में जोधपुर पुलिस पंजाब से लॉरेंस को लेकर आई थी और उसे जोधपुर जेल में रखा गया था। इस दौरान कई स्थानीय अपराधी जोधपुर जेल में थे, जिनका पहले लॉरेंस और बाद में उसके भाई अनमोल से सीधा संपर्क हो गया। जिसके बाद जोधपुर, फलोदी, बीकानेर इलाके में नेटवर्क बन गया। लॉरेंस विश्नोई गैंग के नाम से लोगों को डराकर रंगदारी वसूलने के लिए जोधपुर में धमकियां आती रहती हैं। इस वर्ष चार लोगों से वसूली के लिए धमकियां दी गई हैं। इनमें चौपासनी हाउसिंग बोर्ड में दो लोगों को धमकी देकर दो करोड़ मांगे गए थे। इसके बाद मोती चौक में होटल व्यवसायी व निवर्तमान पार्षद को धमकी भरा कॉल किया गया था। इन तीनों की सुरक्षा बढ़ाई गई है। फिर सरदारपुरा में एक व्यवसायी को धमकाया गया था।

अलवर : मां ने चार साल की बेटी की गला दबाकर हत्या की

मां ने भी ब्लेड से हाथों की नसें काटकर सुसाइड का प्रयास किया

- **बताया जा रहा है कि महिला पिछले दो साल से मानसिक रूप से परेशान थी, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की**

अलवर/राजगढ़, (निसं)। अलवर में महिला ने चार साल की बेटी की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने ब्लेड से अपने हाथों की नसें काटकर सुसाइड का प्रयास किया। महिला का गंभीर हालत में जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना राजगढ़ थाना क्षेत्र के पुराना राजगढ़ इलाके की शुक्रवार सुबह की है।

मृतक बच्ची के ताऊ नीरज सैनी (30) ने बताया कि सुबह करीब 7 बजे गरिमा (4) को स्कूल भेजने के लिए पिता संतोष (27) ने कमरे का गेट खोला। बेटा ठीक था, उसे कोई दिक्कत नहीं थी। बेटी को जगाया तो वह बोल नहीं रही थी। गरिमा के गले पर निशान थे। उसे तुरंत राजगढ़ हॉस्पिटल लेकर गए। उसके बाद संतोष की पत्नी शीला (25) को देखा। वह बेहोशी की हालत में थी। गांव के दो लोगों को बुलवाया। उसके बाद गाड़ी से शीला को भी हॉस्पिटल लेकर गए। डॉक्टरों ने गरिमा को मृत घोषित कर दिया। वहीं शीला की हालत गंभीर होने पर उसे अलवर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। नीरज सैनी ने बताया कि शीला पिछले दो साल से मानसिक रूप से परेशान है। उसकी स्थिति ठीक नहीं रहती थी। वह कई बार अजीब हरकतें भी करती थी। उसकी आवाज भी बदल जाती थी। इस कारण दोनों बच्चे भी उससे दूरी बनाकर रखते थे, लेकिन वह बच्चों को जबरदस्ती अपने पास सुलाती थी।

पुलिस ने बताया कि सूरज ने रिपोर्ट में लिखा कि और दिन गरिमा उसकी मां के पास सोती थी। 16 अप्रैल की रात्रि 10 बजे गरिमा सूरज की मां के पास सो रही थी, तो उसके भाई की पत्नी शीला गरिमा को वहां से लेकर चली गई और हत्या कर दी। गरिमा की हत्या के बाद शीला ने स्वयं ने हाथों पर चोट के निशान बना लिए। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर प्रारंभिक जांच शुरू की है।

थाना प्रभारी राजेश मीणा ने बताया कि घटना को लेकर आसपास के लोग और परिवार से पूछताछ की जा रही है। हालांकि अभी तक घटना के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है। महिला के होश में आने के बाद उससे पूछताछ की जाएगी।

झुंझुनूं में थ्रेशर मशीन में फंसने से युवक की मौत

- **गेहूं निकालते समय युवक का संतुलन बिगड़ गया था, दो घंटे में निकाले गए शव के अवशेष**

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के बगड़ थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में थ्रेशर मशीन में फंसने से युवक की मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि युवक का शरीर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया और उसे बाहर निकालने में करीब दो घंटे का समय लग गया।

जानकारी के अनुसार नूनिया गोठडा निवासी विकास उर्फ कालू शुक्रवार सुबह पास के घासी का बास गांव में गेहूं की फसल निकलवाने गया था। इसी दौरान काम करते समय अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह गेहूं के साथ थ्रेसर मशीन की चपेट में आ गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत दौड़कर ट्रैक्टर बंद किया, लेकिन तब तक युवक का आधा शरीर मशीन के अंदर जा चुका था। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर बगड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मशीन में फंसे युवक के अवशेषों को निकालने में पुलिस और ग्रामीणों को करीब दो घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी। इसके बाद शव को बगड़ के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। युवक खेती-बाड़ी और मजदूरी कर अपना जीवन यापन करता था। अचानक हुए इस हादसे से गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना

विश्वविद्यालय द्वारा सैद्धांतिक व प्रायोगिक परीक्षा में उत्तरपुस्तिकाओं के मुद्रण एवं आपूर्ति हेतु निविदा जारी की गयी हैं, जिसका यूबीएन GSU2627GLRC00001 हैं। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/26/1000 वित्त नियंत्रक

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED DIVISION KARAULI
PH NO.-07464-250219, E-Mail-ee.kar.phed@rajasthan.gov.in

Notice Inviting Bid

Bids for the supply and various maintenance works under phed division karauli are invited from interested bidders up to 24.04.2026 Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal eproc.rajasthan.gov.in and sppp.raj.nic.in website.

NIB CODE:-PHE2627A0164

S.N.	NIT NO.	UBN	S.N.	NIT NO.	UBN
01	28/2026-27	PHE2627WSOB00341	03	30/2026-27	PHE2627WSOB00343
02	29/2026-27	PHE2627WSOB00342	04	31/2026-27	PHE2627WSOB00344

01	Total work	04
02	Total Estimate Cost	36.83 Lac
03	Bid submission end date	24.04.2026 up to 12.00 PM
04	Bid opening date	24.04.2026 at 03.00 PM

(Vijay Kumar Meena) Executive Engineer
Public Health Engineering Department
Division Karauli

DIPR/C/6977/2026

चिकित्सा संस्थानों में स्थापित किए जाएंगे हीट स्ट्रोक ट्रीटमेंट कॉर्नर

प्रदेश में लू-तापघात की आशंका को देखते हुए सरकार का निर्णय

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रदेश में आगामी दिनों में लू-तापघात की आशंका को देखते हुए चिकित्सा संस्थानों में हीटवेव बचाव एवं उपचार के लिए समुचित प्रबंधन सुनिश्चित किए जा रहे हैं। इमरजेंसी सुविधाओं के लिए चिकित्सा संस्थानों में हीट स्ट्रोक ट्रीटमेंट कोर्नर स्थापित करने के साथ ही दवा एवं जांच सहित सभी माकूल इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड ने शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में हीटवेव प्रबंधन, मौसमी बीमारियों सहित अन्य विषयों पर समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी चिकित्साधिकारी हीटवेव को लेकर प्रो-एक्टिव अप्रोच के साथ काम करें। रोगी और उनके परिजनों के लिए छाया, शीतल पेयजल सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

राठौड़ ने कहा कि सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा संबंधित चिकित्सालय प्रभारी यह सुनिश्चित करें कि अस्पतालों में पंखे, कूलर, एसी, वाटर कूलर, जांच, दवा-ओआरएस एवं उपचार के प्रबंधन में कोई कमी नहीं रहे। उन्होंने आवश्यकता होने पर दवाओं की स्थानीय स्तर पर खरीद करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारी निरंतर फील्ड में जाकर चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण करें। उन्होंने रेपिड रेस्पॉन्स सिस्टम को प्रभावी रूप से लागू कर रोगियों को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए।

चिकित्सा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड ने शुक्रवार को हीटवेव प्रबंधन और मौसमी बीमारियों की तैयारियों पर चर्चा की।

राठौड़ ने गर्मी के मौसम को देखते हुए शुद्ध खाद्य पदार्थों एवं शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि को नियंत्रण को भीडभाड़ वाले स्थानों, छात्रावासों सहित अन्य स्थानों पर खाद्य पदार्थों एवं पानी की जांच कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों सहित अन्य अधिकारियों को चिकित्सा संस्थानों पर कार्यरत एएनएम एवं सीएचओ के कार्यों की समीक्षा करने के भी निर्देश दिए। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी चिकित्सा संस्थानों में सीसीटीवी कैमरे फंक्शनल हों। सभी चिकित्सा संस्थान सेल्फ मॉनिटरिंग सिस्टम एप में अपनी रिपोर्टिंग करें। उन्होंने कहा कि एप पर उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर चिकित्सा संस्थानों एवं उनके प्रभारियों का मूल्यांकन किया जाएगा। जिस जिले का स्कोर कम होगा, उस जिले के संबंधित अधिकारी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने मीडिया में प्रकाशित होने वाली नकारात्मक खबरों की मॉनिटरिंग करते हुए वांछित सुधार करने पर भी बल दिया।

प्रमुख शासन सचिव ने प्रदेश में आपातकालीन रेफरल व्यवस्था के लिए संचालित की जा रही 108 एम्बुलेंस का भौतिक सत्यापन कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन में सभी 108 एम्बुलेंस में साफ-सफाई, उपकरणों एवं दवाओं की उपलब्धता और क्रियाशीलता के संबंध में आगामी दो दिवस में सत्यापन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

- **प्रमुख शासन सचिव ने दिए हीटवेव से बचाव एवं उपचार के समुचित प्रबंध करने के निर्देश**
- **अधिकारी रेपिड रेस्पॉन्स सिस्टम को प्रभावी रूप से लागू करें : गायत्री राठौड़**
- **खाद्य पदार्थों व पानी की जांच तथा 2 दिन में सभी एम्बुलेंस का सत्यापन कराने के निर्देश**

राठौड़ ने टीबी मुक्त भारत के तहत 100 दिवसीय अभियान, गैर संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम, भवन निर्माण एवं भूमि आवंटन, ओडीके एप में सूचनाओं की भी समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टीबी मुक्त भारत के तहत 100 दिवसीय अभियान के तहत आयोजित होने वाले शिविरों में प्रभावी रूप से कार्य कर सघन स्क्रीनिंग कर निर्धारित लक्ष्य अर्जित किए जाएं। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि स्वास्थ्य कैम्प की सूचना पूर्व में ही आमजन को दी जाए ताकि आमजन इन शिविरों का पूर्ण लाभ ले सकें। उन्होंने एचपीवी अभियान को भी गति देने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक जोगाराम ने एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान की प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने इस अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत कार्यरत काउंसलर्स को प्रभावी रूप से अपने दायित्व पूरे करने के निर्देश दिए।

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने कहा कि सभी चिकित्सा संस्थानों में फायर सेफ्टी ऑडिट नियमित रूप से कराई जाए। गर्मी के मौसम को देखते हुए फायर सेफ्टी मॉकड्रिल एवं 21 अप्रेल से 26 अप्रेल तक फायर सेफ्टी सप्ताह से संबंधित गतिविधियां आयोजित की जाए। उन्होंने चिकित्सा संस्थानों में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने, अनुपयोगी पत्रावलियों एवं वस्तुओं का नियमानुसार निस्तारण करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में अतिरिक्त मिशन निदेशक डॉ. टी. शुभमंगला, निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर, निदेशक एड्स डॉ.. सुशील परमार सहित संबंधित अधिकारीगण मौजूद थे। समस्त मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्य, अधीक्षक, संयुक्त निदेशक जोन, सीएमएचओ, पीएमओ, आरसीएचओ सहित अन्य संबंधित अधिकारी वीसी से जुड़े।

अब 20 हजार वर्गमीटर से बड़े भूखण्ड भी होंगे उप-विभाजित

रीको प्रशासन ने लागू किए उप-विभाजन के नए नियम लागू

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्य में औद्योगिक विकास को गति देने और उद्यिमयों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रीको ने बड़े औद्योगिक भूखण्डों के उप-विभाजन को सशर्त मंजूरी प्रदान कर दी है। इस निर्णय के तहत अब रीको के आवंटी अपने बड़े भूखण्ड छोटे हिस्सों में विभाजित कर विक्रय कर सकेंगे।

- **इस निर्णय से बड़े भूखण्डों का बेहतर उपयोग होगा**
- **निवेशकों को उद्योग लगाने के अधिक अवसर मिलेंगे**

रीको प्रशासन ने रीको डिस्पोजल ऑफ लैंड रूल्स, 1979 के नियम 17 (ई) को पुनः लागू करते हुए यह व्यवस्था की गई है कि 20,000 वर्गमीटर या उससे अधिक क्षेत्रफल वाले भूखण्डों का उप-विभाजन किया जा सकेगा। उप-विभाजन के बाद प्रत्येक उप-विभाजित भूखण्ड का न्यूनतम क्षेत्रफल 500 वर्गमीटर रहेगा।

निर्धारित शर्तों के अनुसार, भूखण्ड का उप-विभाजन भूमि आवंटन के 7 वर्ष बाद ही किया जा सकेगा और संबंधित भूखण्ड विवाद रहित होना चाहिए। उप-विभाजन की प्रक्रिया के तहत आवेदक को प्रस्तावित लेआउट प्लान रीको में जमा कराना होगा, जिसे लैंड प्लान कमेटी से अनुमोदित कराया जाएगा। यदि भूखण्ड पर किसी बैंक या वित्तीय संस्थान का ऋण है, तो उसकी एनओसी भी आवश्यक होगी।

रीको ने स्पष्ट किया है कि उप-विभाजन के बाद विकसित होने वाले क्षेत्र में सड़क, ड्रेनेज, बिजली, स्ट्रीट लाइट, वर्षा जल संचयन और जल आपूर्ति जैसी बुनियादी सुविधाएं मूल आवंटी को अपने खर्च पर उपलब्ध करानी होंगी। इन सुविधाओं को तीन वर्षों के भीतर पूर्ण करना अनिवार्य होगा।

नियमों के अनुसार, 1500 वर्गमीटर तक के भूखण्ड के लिए न्यूनतम 18 मीटर तथा इससे बड़े भूखण्ड के लिए 24 मीटर चौड़ी आंतरिक सड़क का प्रावधान रखा गया है।

वित्तीय प्रावधानों के तहत उप-विभाजन शुल्क संबंधित औद्योगिक क्षेत्र की प्रचलित दर का 2 प्रतिशत निर्धारित किया गया है। इसके अलावा ट्रांसफर चार्ज एवं एक स्वीकृत गतिविधि से अन्य स्वीकृत गतिविधि के परिवर्तन हेतु स्वीकृति शुल्क भी नियमानुसार देय होंगे। उप-विभाजित भूखण्ड की लीज अवधि मूल लीज अवधि से अधिक नहीं होगी और नए खरीदार को पंजीकृत दस्तावेज की तिथि से दो वर्षों के भीतर भूखण्ड का उपयोग करना अनिवार्य होगा। गौरतलब है कि उद्यमियों द्वारा लंबे समय से बड़े भूखण्डों के उप-विभाजन की मांग की जा रही थी। ऐसे में यह निर्णय न केवल भूमि के बेहतर उपयोग को सुनिश्चित करेगा, बल्कि औद्योगिक क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को गति देगा तथा नए निवेश एवं रोजगार के अवसर भी सृजित करेगा।

चांदपोल से बड़ी चौपड़ तक गूंजा नारी शक्ति का जयघोष

जयपुर में शुक्रवार को 'नारी शक्ति फॉर विकसित भारत रन' का आयोजन किया गया।

जयपुर। महिला सशक्तिकरण और 'विकसित भारत' के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जयपुर में 'नारी शक्ति फॉर विकसित भारत रन' का आयोजन किया गया। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तत्वावधान में 'माय भारत' द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में शहर की सैकड़ों महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सुबह 7:30 बजे चांदपोल से शुरू हुई यह रन बड़ी चौपड़ तक आयोजित की गई। करीब 1.5 किलोमीटर लंबी इस दौड़ में छात्राओं, उद्यिमयों, पत्रकारों, खिलाड़ियों सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पूरे मार्ग पर जोश और ऊर्जा का माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम की थीम 'नारी शक्ति वंदन' रखी गई। रन को राज्य मंत्री मंजू बाघमार और पूर्व विधायक अलका गुर्जर ने फ्लैग-ऑफ किया। इस मौके पर पूर्व महापौर कुसुम यादव सहित कई प्रमुख महिलाएं उपस्थित रहीं। विशेष आकर्षण के रूप में कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 की कांस्य पदक विजेता पूजा और वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स 2025 की स्वर्ण पदक विजेता कचनार चौधरी ने भी भाग लेकर प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया।

17 देशों के 43 प्रतिभागी रूबरू होंगे राजस्थान विधानसभा से : देवनानी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया कि शनिवार को विश्व के विभिन्न देशों के प्रतिभागी राजस्थान विधानसभा का अवलोकन करेंगे। इस अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में बांग्लादेश, भूटान, घाना, केन्या, श्रीलंका, तंजानिया, जाम्बिया सहित 17 देशों के 43 प्रतिभागी भाग लेंगे।

स्पीकर देवनानी ने बताया कि लोकसभा सचिवालय के पार्लियामेंट्री रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसिस द्वारा इन्टरनेशनल लेजिस्लेटिव ड्रॉफ्टिंग विषय पर विधायी मसौदा तैयार करने के लिए 37 वां अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन राजस्थान विधान सभा में किया जा रहा है।

यह कार्यक्रम भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग योजना के अंतर्गत संचालित हो रहा है।

देवनानी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य विदेशी प्रतिभागियों के लाभ के लिए विधायी मसौदा तैयार करने के वैचारिक जान, कौशल और तकनीकी को बढाना है।

स्पीकर देवनानी ने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत 18 अप्रैल को विदेशी प्रतिनिधियों का दल राजस्थान विधानसभा के सदन, भवन और राजनैतिक आख्यान संग्रहालय का भ्रमण करेगा। इससे राज्य विधानमण्डल कि पहचान अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी हो सकेगी।

उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों को राज्य विधानमंडल की कार्यप्रणाली विधायी प्रक्रिया एवं संसदीय परंपराओं की जानकारी दी जाएगी। देवनानी ने बताया कि प्रतिभागियों की पीठासीन अधिकारियों और विधानसभा सचिव के साथ संवाद, प्रतिष्ठित विधि विशेषज्ञों एवं गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात तथा राज्य के प्रमुख विधि संस्थानों का भ्रमण भी कराया जाएगा। स्पीकर देवनानी ने बताया कि विदेशी प्रतिभागियों को राजस्थान की समृद्ध संस्कृति से परिचित कराने हेतु स्थानीय दर्शनीय स्थलों का भ्रमण भी कराया जाएगा।

पत्नी से परेशान युवक ने जहर खाकर आत्महत्या की

मरने से पहले युवक ने अपनी बहन को सुसाइड नोट भेजा था

जयपुर (कासं)। मुहाना इलाके में गत 21 फरवरी की रात एक युवक ने अपनी पत्नी से परेशान होकर जहर खाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में अब नया मोड सामने आया है। पुलिस ने मृतक की बहन के मोबाइल पर आए मैसेज के आधार पर हत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में पीड़ित पिता सांगानेर के वैष्णव नगर निवासी रामनिवास बाथम ने अपनी बहू के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है।

- **सुसाइड नोट सामने आने के बाद मृतक के पिता ने हत्या का आरोप लगाते हुए बहु के खिलाफ मामला कराया**
- **आरोप है कि महिला अपने पति और ससुराल पक्ष पर कई झूठे मुकदमें दर्ज करवाकर रुपए ऐंठ चुकी हैं**

मृतक के पिता का आरोप है कि मई-2011 में संदीप (38) की शादी उत्तर प्रदेश निवासी लड़की से हुई थी। संदीप ने 21 फरवरी को रात करीब 2:17 बजे अपनी बहन पायल को वॉट्सऐप पर मैसेज भेजा था, जिसमें अपनी पत्नी पर परेशान करने का आरोप लगाया है। उन्होंने शिकायत में बताया कि शादी के बाद से ही उसकी पत्नी की ओर से झगड़ा करना शुरू कर दिया गया। घरवालों से अलग रहने की जिद के चलते रोज-रोज क्लेश करने लगी। जिससे तंग आकर संदीप शादी के दो महीने बाद मुहाना में किराए का मकान लेकर अपनी पत्नी के साथ रहने लगा। जिसके बाद उसकी पत्नी आए दिन झगड़ा कर संदीप से रुपए ऐंठने लगी।

रिलायंस ने की "डिजिटल डिस्काउंट डेज़" की घोषणा

जयपुर (कासं)। रिलायंस डिजिटल ने अक्षय तृतीया से पहले "डिजिटल डिस्काउंट डेज़ कैंपेन" की घोषणा की है। इसमें ग्राहकों को लेटेस्ट टेक्नोलॉजी में अपग्रेड करना अब पहले से कहीं ज़्यादा आसान ही नहीं, बल्कि फायदेमंद भी होगा। इस कैंपेन के अंतर्गत, ग्राहक लीडिंग बैंक के कार्ड्स पर 26 हजार तक इंस्टेंट डिस्काउंट का फायदा तथा पेपर फाइनेंस पर 30000 तक कैशबैक का विकल्प मिल सकेगा। इसके अलावा, रिलायंस डिजिटल सैकंड प्रोडक्ट पर फ्लैट 50 प्रतिश की छूट देगा, जिससे ऑडियो डिवाइस, वियरेबल्स, मोबाइल और लैपटॉप एक्सेसरीज, चुनिंदा होम एंटरटेनमेंट और छोटे अप्लायंसेज जैसी कैटेगरी में कई चीजें खरीदने को बढ़ावा मिलेगा। इसमें हिस्सा लेने वाले ब्रांड्स में मार्शल, जेबीएल, बोट और वनप्लस शामिल हैं। ब्लूटूथ स्पीकर, नेकबैंड और वायरलेस हेडफोन जैसे प्रोडक्ट्स भी लिस्टेड कीमत से लगभग आधी कीमत पर उपलब्ध होंगे। रोजमर्रा के जीवन में इस्तेमाल होने वाली जरूरी चीजें जैसे वायरलेस माउस, लैपटॉप एक्सेसरीज, पावर बैंक और सैंडविच मेकर जैसे छोटे किचन अप्लायंसेज भी इस स्कीम का हिस्सा हैं, जो ग्राहकों को 300 से 750 की रेंज में आसानी से उपलब्ध हो जाएंगे।

सहकारिता मंत्री ने किया मसाला मेले का शुभारम्भ

जयपुर (कासं)। सहकारिता राज्य मंत्री गौतम दक ने कहा कि सहकारिता विभाग एवं कॉनफेड द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाला राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से सहकारी संस्थाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को एक सशक्त मंच मिलता है तथा किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलता है। दक ने शुक्रवार को जवाहर कला केन्द्र में शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार डॉ. समित शर्मा की मौजूदगी में सहकार मसाला मेले का शुभारम्भ किया।

- **जवाहर कला केन्द्र में 26 अप्रेल तक चलेगा आयोजन**
- **150 स्टॉल्स पर उपलब्ध गुणवत्तापूर्ण मसाले एवं विविध उत्पाद मिलेंगे**

सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने जवाहर कला केन्द्र में मसाला मेले का उद्घाटन करने के बाद स्टॉल्स का अवलोकन किया।

सहकारिता मंत्री एवं शासन सचिव ने विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन कर देश और प्रदेश की सहकारी समितियों द्वारा प्रदर्शित मसालों एवं अन्य उत्पादों की जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि सहकारिता विभाग एवं राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ (कॉनफेड) द्वारा वर्ष 2003 से प्रतिवर्ष इस मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में उपभोक्ताओं को एक ही स्थान पर उचित मूल्य पर उच्च गुणवत्ता के मसाले एवं अन्य उत्पाद उपलब्ध होते हैं, जिससे यह आयोजन जयपुरवासियों के बीच लोकप्रिय बन गया है। इस वर्ष यह मेला 17 से 26 अप्रेल तक आयोजित किया जा रहा है। मेले में इस बार लगभग 150 स्टॉल्स लगाई गई है। मेले में राजस्थान के साथ-साथ केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कश्मीर, पंजाब, मध्य प्रदेश आदि विभिन्न राज्यों की सहकारी संस्थाएं अपने उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय कर रही हैं। साबुत एवं पिसे मसालों के अलावा विशिष्ट क्षेत्रीय उत्पाद भी यहां उपलब्ध हैं।

जनगणना-2027 का पहला चरण 16 मई से

जयपुर (कासं)। जनगणना 2027 के तहत राजस्थान में प्रथम चरण का कार्य 16 मई से शुरू होकर 14 जून तक किया जाएगा। इस चरण में मकानसूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा। जनगणना कार्य निदेशालय के निदेशक बिष्णु चरण मल्लिक ने बताया कि इस बार जनगणना को पूर्णतः डिजिटल और सहभागी बनाने की दिशा में 'स्व-गणना' की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इसके तहत नागरिक 1 मई से 15 मई के बीच ऑनलाइन माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। हालांकि, इसके बाद भी प्रगणक द्वारा फील्ड स्तर पर सत्यापन अनिवार्य रूप से किया जाएगा। उन्होंने साइबर सुरक्षा को लेकर सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा कि नागरिक केवल आधिकारिक वेबसाइट का ही उपयोग करें और किसी के साथ साझा न करें।

राज्य में इस कार्य के लिए करीब 1 लाख 60 हजार प्रगणक और पर्यवेक्षक तैनात किए जाएंगे, जो घर-घर जाकर डेटा संग्रहण करेंगे। मकान सूचीकरण के दौरान भवनों, परिवारों, उपलब्ध सुविधाओं, परिसंपत्तियों तथा उपभोग से जुड़े कुल 33 प्रश्न पूछे जाएंगे। इस प्रथम चरण का उद्देश्य आगामी जनसंख्या गणना के लिए एक सटीक और विश्वसनीय मास्टर फ्रेम तैयार करना है, ताकि दूसरे चरण में कोई भी व्यक्ति या परिवार गणना से वंचित न रह जाए। जनगणना कार्य के सफल क्रियान्वयन के लिए राज्यभर में व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत मास्टर ट्रेनर्स, फील्ड ट्रेनर्स और प्रगणकों को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षित किया जा रहा है।

जनगणना प्रक्रिया को आधुनिक बनाने के लिए पोर्टल, वेब पोर्टल और मोबाइल ऐप जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किए गए हैं, जिनसे निगरानी और डेटा संग्रहण की प्रक्रिया अधिक प्रभावी होगी। निदेशक मल्लिक ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे जनगणना कार्य में सहयोग करते हुए सही और पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं तथा प्रगणक के पहचान पत्र और कोड की जांच के बाद ही जानकारी साझा करें।

पाइप लाइन गैस कनेक्शन बढ़ाने के निर्देश

जयपुर । जयपुर में अतिरिक्त मुख्य सचिव (खान एवं पेट्रोलियम) अपर्णा अरोरा ने राज्य की सीजीडी (सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन) संस्थाओं को निर्देश दिए हैं कि वे जिला प्रशासन के साथ समन्वय बनाते हुए शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक लोगों को डीपीएनजी (डोमेस्टिक पाइप्ड नेचुरल गैस) कनेक्शन से जोड़ें। सचिवालय में आयोजित वर्चुअल बैठक में उन्होंने कहा कि सीजीडी संस्थाएं जागरूकता अभियान चलाकर आमजन को पाइपलाइन से घरेलू गैस सुविधा से जोड़ें और चरणबद्ध तरीके से कॉलोनियों को एलपीजी फ्री जोन घोषित करने की कार्ययोजना तैयार करें। अरोरा ने निर्देश दिए कि जिला कलेक्टर नियमित मॉनिटरिंग करें और प्रत्येक जिले में नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएं। जहां पीएनजी का आधारभूत ढांचा तैयार है, वहां कॉलोनी स्तर पर शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक कनेक्शन जारी किए जाएं।

पीडब्ल्यूसी बैठक में 286 करोड़ रु. के विकास कार्यों को मंजूरी

राजधानी में यातायात व सीवरेज सुधार तथा सौंदर्यीकरण पर जोर दे रहा जे.डी.ए. प्रशासन

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की पीडब्ल्यूसी (पब्लिक वर्क्स कमेटी) की महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को जेडीसी सिद्धार्थ महाजन की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में शहर के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से सीवरेज, यातायात सुधार और सड़क विकास सहित विभिन्न कार्यों के लिए करीब 286 करोड़ रुपए की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृतियां दी गईं।

बैठक में सचिव गौरव सैनी, निदेशक आयोजना मृणाल जोशी, निदेशक अभियांत्रिकी देवेंद्र गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। राजधानी में बढ़ते यातायात दबाव को कम करने के लिए जोन-7 में सिरसी रोड (सी.जोन बाईपास से सिरसी मोड़ तक) के चौडीकरण एवं विकास कार्य हेतु 48.76 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए। इसके अलावा सीकर रोड पर चौमूं पुलिया से रोड नंबर 14 तक एट-ग्रेड यू-टर्न निर्माण के लिए 9.54 करोड़ तथा सहकार मार्ग स्थित इमली फाटक और ज्योति नगर टी-जंक्शन सुधार के लिए 5.96 करोड़ रुपए की कार्योत्तर स्वीकृति जारी की गई।

जेडीए कमिश्नर सिद्धार्थ महाजन की अध्यक्षता में शुक्रवार को पब्लिक वर्क्स कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक हुई।

शहर में सीवरेज व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए जोन-5 और 6 से एसटीपी नेवटा तक लेटरल सीवर लाइन बिछाने के लिए 95.16 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए। वहीं भांकरोटा एवं आसपास क्षेत्रों से एसटीपी नेवटा तक सीवर लाइन के लिए 42 करोड़ और ग्राम गजधरपुरा स्थित 30 एमएलडी एसटीपी के अपग्रेडेशन हेतु 17.18 करोड़ रुपए की संशोधित स्वीकृति दी गई।

शहरी सौंदर्यीकरण के तहत विद्याधर नगर के सेंट्रल स्पाइन कॉरिडोर पर सेंट्रल फूड स्ट्रीट के पुनर्विकास एवं रखरखाव के लिए 3.38 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए। इसके अलावा सेक्टर-1 विद्याधर नगर में इंफॉर्मेशन बिजनेस एंड एंटरटेनमेंट सेंटर निर्माण हेतु 10.50 करोड़ तथा स्वर्ण जयंती गार्डन की चारदीवारी के लिए 3.02 करोड़ रुपए मंजूर किए गए।

जोन-11 के अचरावाला, जयसिंहपुरा उर्फ तेजावाला और अभयपुरा में लैंड पूलिंग स्कीम के तहत सड़क एवं अन्य विकास कार्यों के लिए 40.07 करोड़ रुपए की संशोधित स्वीकृति दी गई। इसके अलावा मालवीय नगर में सड़क नवीनीकरण, सी.जोन बाइपास से कनकपुरा फाटक तक सड़क सुदृढ़ीकरण के लिए 6.85 करोड़ तथा जाहोता फ्लाईओवर से जाहोता गांव तक सड़क निर्माण के लिए 3.71 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए। बैठक में शहर के समग्र विकास, यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर व्यापक चर्चा की गई।

एक किलो अफीम के साथ दो गिरफ्तार

जयपुर । राजधानी जयपुर के बगरू थाना क्षेत्र में विशेष नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कार से करीब 1 किलो अफीम बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार ठीकरिया टोल प्लाजा पर चल रही सघन नाकाबंदी के दौरान एक संदिग्ध स्विफ्ट डिजायर कार को रुकवाकर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन से करीबन 1 किलो अफीम बरामद हुई। पुलिस ने मौके पर ही आरोपी विपुल जाट और राहुल सारण को गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी चित्तौड़गढ़ से जयपुर अफीम की सप्लाई के लिए आ रहे थे। पुलिस को आशंका है कि यह नेटवर्क बड़े स्तर पर नशे की तस्करी से जुड़ा हो सकता है। यह कार्रवाई बगरू थाना अधिकारी राजेंद्र गोदारा के नेतृत्व में की गई। पुलिस अब आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है और तस्करी के पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है।

- **आरोपी की मदद करने वाले दो युवकों को भी पुलिस ने दबोचा**

सार-समाचार

मरीजों को पौष्टिक आहार बांटा

नोहर, (निसं)। उपजिला चिकित्सालय में मानव सेवा के दौरान एपेक्स क्लब ने मरीजों को बांटा पौष्टिक आहार। यहां के राजकीय उपजिला चिकित्सालय में शुक्रवार को सामाजिक सरोकार की एक सराहनीय पहल देखने को मिली। एपेक्स क्लब के तत्वावधान में अस्पताल में भर्ती रोगियों के बीच पौष्टिक आहार का वितरण किया गया। इस दौरान मरीजों को दूध, बिस्किट और ताजे फल उपलब्ध कराए गए। जिससे उनके स्वास्थ्य में सुधार और मनोबल बढ़ाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम के दौरान क्लब सदस्यों ने वार्डों में जाकर मरीजों से बातचीत की और उनका हालचाल जाना। उन्होंने मरीजों को सकारात्मक सोच बनाए रखने और नियमित रूप से चिकित्सकीय सलाह का पालन करने के लिए प्रेरित किया। क्लब पदाधिकारियों ने कहा कि बीमारी के समय दवाइयों के साथ पौष्टिक आहार और भावनात्मक सहयोग भी उतना ही जरूरी होता है। जिससे मरीज जल्द स्वस्थ हो सकते हैं। अस्पताल परिसर में आयोजित इस सेवा कार्य के दौरान एक मानवीय माहौल देखने को मिला, जहां मरीजों और उनके परिजनों के चेहरों पर संतोष और खुशी झलक रही थी। अस्पताल स्टाफ ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक संगठनों के सहयोग से मरीजों को अतिरिक्त राहत मिलती है और समाज में सकारात्मक संदेश जाता है। एपेक्स क्लब के पदाधिकारियों ने बताया कि क्लब समय-समय पर इस प्रकार के सेवा कार्य करता रहता है और भविष्य में भी जरूरतमंदों की मदद के लिए ऐसे आयोजन जारी रहेंगे।

राकेश जांगिड़ राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत

नोहर, (निसं)। तारानगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रहे राकेश जांगिड को आखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के राजनैतिक प्रकोष्ठ का राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किये जाने पर यहां के जांगिड सुथार समाज के लोगों में उत्साह देखा जा रहा है। यहां से निवर्तमान जिला लोकपाल विनोद जांगिड़, अखिल भारतीय गोगामेडी विकास समिति के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. श्रवण सुथार , जांगिड सुथार युवा मण्डल के विनोद सुथार, एवं युवा व्यवसाई सतवीर सुथार के प्रतिनिधि मंडल ने तारानगर जांगिड के निवास स्थान पर पहुंचकर उनको बधाई और शुभकामनाएं दी तथा सम्मान किया।

मेहता नगर के राजवीर सिंह यादव को मिली पीएच.डी की उपाधि

पाटन (निसं)। क्षेत्र के मेहता नगर निवासी राजवीर सिंह यादव ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए पीएच.डी की उपाधि प्राप्त की है। यह उपाधि उन्हें उच्च अध्ययन शिक्षण संस्थान मानित विश्वविद्यालय, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर (चूरू) द्वारा प्रदान की गई।

राजलदेसर अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर लोगों का फूटा गुस्सा

राजलदेसर (निसं)। राजलदेसर के राजकीय अस्पताल की बदहाल अव्यवस्थाओं को लेकर शुक्रवार को लोगों का गुस्सा फूट पड़ा।

अखिल भारतीय किसान सभा और भीम आर्मी के संयुक्त तत्वावधान में सैकड़ों लोगों ने अस्पताल परिसर में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि अस्पताल में बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। स्थिति इतनी खराब है कि मरीजों को सामान्य बीपी की दवाइयां तक उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। दवाइयों की कमी के चलते मरीजों को मजबूरन बाहर से महंगी दवाइयां खरीदनी पड रही हैं।

अखिल भारतीय किसान सभा के तहसील अध्यक्ष कामरेड भादर भामू ने कहा कि अस्पताल में अव्यवस्थाओं का आलम चरम पर है। उन्होंने कांग्रेस के विधायक, सांसद और भाजपा के पूर्व विधायक पर निशाना साधते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों को आमजन की परेशानियों से कोई सरोकार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि चिकित्सा प्रभारी डॉ. कपिल धाबाई समय पर अस्पताल नहीं आते, घर पर मरीज देखते हैं और बाहर की दवाइयां लिखते हैं। साथ ही विशेष कंपनियों की दवाइयां लिखने के भी आरोप लगाए गए। भामू ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 5 दिनों के भीतर व्यवस्थाओं में सुधार नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और सरकार की होगी। वहीं, मेघवाल महासभा के तहसील अध्यक्ष कालूराम तंवर ने भी अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने बताया कि अस्पताल में तीन दवा वितरण केंद्र होने के बावजूद केवल एक ही केंद्र चालू रहता है। इसी तरह पर्ची काउंटर भी दो होने के बावजूद एक ही काउंटर पर काम किया जा रहा है, जिससे मरीजों की लंबी कतारें लग रही हैं और उन्हें घंटों इंतजार करना पड रहा है। निरीक्षण के दौरान मरीजों और उनके परिजनों में भारी नाराजगी और निराशा देखने को मिली। कई मरीजों ने बताया कि समय पर इलाज नहीं मिलने और दवाइयों की अनुपलब्धता के कारण उनकी हालत खराब हो जाती है। प्रदर्शन के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी मनोज शर्मा से भी वार्ता कर उन्हें समस्याओं से अवगत कराया। इस पर उन्होंने जल्द ही व्यवस्थाओं में सुधार का आश्वासन दिया। प्रदर्शनकारियों ने अस्पताल में डॉक्टरों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, सभी दवा काउंटर चालू करने, पर्याप्त दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो बड़ा जनआंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह प्रशासन की होगी। इस मौके पर भीम आर्मी के तहसील अध्यक्ष श्रवण बारुपाल , विजयलपाल कड़वासरा, जगदीश कूड़िया ,लालचंद बिजारणीयां, सोहन कड़वासरा, तिलोक मेघवाल, अल्ताफ बिसायती, संतलाल, पूनमचंद, सुखाराम, खेमाराम, कानाराम, पंकज, अजु बेहलीम, राजकुमार सहित अनेकों संख्या में किसान सभा के सदस्य व भीम आर्मी के सदस्य मौजूद रहे।

सार-समाचार

शीतल जल प्याऊ का शुभारंभ

राजलदेसर (निसं)। कस्बे में भीषण गर्मी के बीच आमजन को राहत देने हेतु सराहनीय पहल करते हुए युवा विकास समिति की प्रेरणा से राजकीय चिकित्सालय परिसर में शीतल जल प्याऊ का शुभारंभ किया गया। प्याऊ स्वर्गीय रामलाल जोडा की पुण्य स्मृति में उनकी धर्मपत्नी तुलसी देवी के सहयोग से शुरू की गयी है। प्याऊ का विधिवत शुभारंभ पंडित बृजेश दाधीच के मंत्रोउच्चारण के साथ समाजसेवी पूनमचंद गर्ग द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह ने इस जनसेवा कार्य की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।समिति के अध्यक्ष मुकेश श्री माल के द्वारा उपस्थित व्यक्तियों को तथा अस्पताल के स्टाफ को मिठाई के डिब्बे भी वितरित किए गए उन्होंने बताया कि भीषण गर्मी के मौसम में अस्पताल में आने वाले मरीजों, उनके परिजनों तथा राहगीरों को स्वच्छ एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हर वर्ष इस प्रकार की व्यवस्था की जाती है। उन्होंने कहा कि सेवा भाव से किए गए ऐसे कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और जरूरतमंदों को राहत पहुंचाते हैं। वहीं, वीरेंद्र लाटा ने प्रेरक अजीत सुथार एवं सहयोगकर्ता तुलसी देवी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में पानी की व्यवस्था करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। उन्होंने विश्वास जताया कि समिति भविष्य में भी इसी तरह जनहित के कार्यों को निरंतर जारी रखेगी। इस अवसर पर मंत्री विनोद भाटिया, पूर्व अध्यक्ष रतनलाल बारूपाल, पूर्व मंत्री मदन दाधीच, परमानंद प्रजापत, सुरेंद्र टाक, ओमप्रकाश मीणा, पवन मारू दीनदयाल स्वामी नेता प्रतिपक्ष, दीनदयाल कटारिया, उपमंत्री शिव भगवान सोनी सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

युवती की संदिग्ध मौत

पाटन (निसं)। कस्बे के मेहरों की ढाणी में शुक्रवार को एक 20 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। महिला ने कथित रूप से कमरे में पंखे से लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।पाटन थाना अधिकारी रमेश मीणा के अनुसार मृतका की पहचान आरती शर्मा पत्नी कृष्ण कुमार स्वामी के रूप में हुई है।

श्री कल्याण अस्पताल का निरीक्षण किया

सीकर, (निसं)। भाजपा नेता एवं जिला उपाध्यक्ष रमेश जलधारी ने शहर के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल श्री कल्याण हॉस्पिटल का बुधवार को औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की। निरीक्षण के दौरान रमेश जलधारी ने अस्पताल में मौजूद कमियों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

जागरूकता रैली से सुरक्षा का संदेश दिया

झुंझुनूं, (निसं)। महिलाओं और किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाने के लिए झुंझुनूं में व्यापक स्तर पर मुफ्त एचपीवी टीकाकरण अभियान ने गति पकड ली है। शुक्रवार को शहर में निकाली गई भव्य जागरूकता रैली ने इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया। शहीद स्मारक से शुरू हुई इस रैली में एएनएम ट्रेनिंग सेंटर की छात्राओं ने जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। हाथों में पोस्टर-बैनर लिए छात्राओं ने टीकाकरण के महत्व का संदेश देते हुए लोगों को जागरूक किया। जनप्रतिनिधियों ने दिखाई हरी झंडी, अभियान को मिला समर्थन - रैली का शुभारंभ झुंझुनूं विधायक राजेन्द्र भाम्बू, भाजपा जिलाध्यक्ष हर्षिनी कुल्हरी, जिला कलेक्टर अरूण गर्ग और सीएमएचओं डॉ. सी.एल. गुर्जर ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया। इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और बीडीके अस्पताल के पीएमओ डॉ. जितेन्द्र भांबू भी मौजूद रहे। भाजपा जिलाध्यक्ष हर्षिनी कुल्हरी ने कहा कि एचपीवी वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर से बचाव का सबसे प्रभावी और सुरक्षित माध्यम है। उन्होंने अभिभावकों और स्कूलों से अपील की कि वे 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं का टीकाकरण अवश्य करवाएं, ताकि भविष्य में इस घातक बीमारी से बचाव सुनिश्चित किया जा सके। जिला कलेक्टर अरूण गर्ग ने बताया कि प्रशासन का लक्ष्य जिले की हर पात्र बालिका तक टीकाकरण पहुंचाना है।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल रावतसर जिला हनुमानगढ(राज)

क्रमांक :- न.पा.रा./भू./2026/21616859 दिनांक :-15.04.2026

आपति आमत्रंण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती मन्जु बाला पति श्री राजकुमार जाति सुथार निवासी वार्ड नं. 15 रावतसर तहसील रावतसर जिला हनुमानगढ ने आवासीय भूखण्ड साईज 77.13 वर्गमीटर के दस्तावेजों की फोटोप्रति प्रस्तुत कर अपने नाम से नामान्तरण दर्ज करवाने हेतु ऑनलाईन आवेदन किया है जिसका मूल पट्टा नगरपालिका रावतसर द्वारा श्री नत्थुराम पुत्र श्री रामचन्द्र जाति लुहार के नाम से साईज 205.30 वर्गमीटर का जारीशुदा है। श्री नत्थुराम ने उक्त भूखण्ड में से साईज 77.13 वर्गमीटर जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनांक 27.10.2008 द्वारा श्री महेश कुमार पुत्र श्री नत्थमल जाति बिहाणी को बैचान कर दिया। श्री महेश कुमार ने उक्त भूखण्ड जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनांक 13.05.2010 द्वारा श्रीमती मन्जु बाला पति श्री रामकुमार को बैचान कर दिया। जिसका अपने नाम से नामान्तरण पालिका रिकोर्ड में दर्ज करवाना चाहती है। अतः उक्त आवासीय भूखण्ड का नामान्तरण दर्ज करने में अगर किसी को कोई आपति हो तो इस सूचना के समाचार पत्र में प्रकाशन होने के 07 दिवस की अवधि में अपनी आपति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपती पर कोई विचार नही किया जावेगा। (शैलेन्द्र कुमार गोदारा), अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका रावतसरद्ध

'सीकर में कोचिंग संस्थानों के विद्यार्थियों का मूवमेंट रजिस्टर रखना होगा'

सीकर, (निसं)। जिला कलेक्टर आशीष मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर की जिला स्तरीय समिति की मासिक बैठक एवं जिला स्तरीय कोचिंग संस्थान निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में नशा मुक्ति अभियान, ड्रग्स नियंत्रण तथा कोचिंग संस्थानों एवं हॉस्टलों में अनुशासन एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जिला कलेक्टर आशीष मोदी ने निर्देश दिए कि जिले के सभी कोचिंग संस्थानों एवं हॉस्टलों में तंबाकू मुक्त क्षेत्र के साइन बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। साथ ही नवलगढ़ रोड एवं पिपराली रोड को नो-टोबैको जोन घोषित कर सख्ती से अनुपालना सुनिश्चित की जाये। उन्होंने पुलिस विभाग को कोचिंग संस्थानों एवं हॉस्टलों के आसपास नियमित एवं रेंडम जांच करने के निर्देश दिए। बैठक में नशा मुक्ति के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने, इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित करने तथा गेटकीपर प्रशिक्षण एवं साइनेज बोर्ड के माध्यम से नशा मुक्ति का प्रचार-प्रसार बढ़ाने पर जोर दिया गया। जिला कलेक्टर मोदी ने निर्देश दिए कि जिले के सभी हॉस्टलों का पंजीयन सुनिश्चित किया जाए तथा हॉस्टलों में मूवमेंट रजिस्टर अनिवार्य रूप से रखा जाए। विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 एवं अन्य आपातकालीन नंबरों का डिस्पले सार्वजनिक स्थानों, कोचिंग संस्थानों में अनिवार्य रूप से किया जाए। उन्होंने सभी कोचिंग संस्थानों में काउंसलर नियुक्त करने, नियमित काउंसलिंग सत्र आयोजित करने तथा विद्यार्थियों के लिए योग, मेडिटेशन एवं तनाव मुक्ति कार्यक्रम चलाने के निर्देश दिए। साथ ही सप्ताह में एक दिन मेडिटेशन एवं स्ट्रेस मैनेजमेंट कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएं।

जिला कलेक्टर मोदी ने कहा कि जिले में ऑपरेशन संकल्प के तहत नशा मुक्ति अभियान को जन-आंदोलन का रूप दिया जाएगा तथा सभी विभागों के समन्वय से ड्रग-फ्री कैंपस का लक्ष्य प्राप्त किया जाएगा। बैठक में पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नुनावत ने बताया कि नशे की लत से प्रभावित विद्यार्थियों पर विशेष फोकस किया जाएगा तथा प्रत्येक कोचिंग संस्थान में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा, जो पुलिस एवं प्रशासन के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखेगा। बैठक में विभिन्न कोचिंग संस्थानों के प्रतिनिधियों, हॉस्टल संचालकों, विभागीय अधिकारियों ने सीकर को नो-टोबैको फ्री करवाने के संबंध में अपने-अपने सुझाव दिये।

हनुमानगढ़ के डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी को मिलेगा मारवाड़ रतन सम्मान

हनुमानगढ़, (निसं)। रावतसर के धन्नासर निवासी वरिष्ठ साहित्यकार एवं वर्तमान में मुख्यमंत्री के सचिव तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के शासन सचिव डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी को वर्ष 2026 का प्रतिष्ठित 'महाराजा मानसिंह मारवाड़ रतन सम्मान' प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें शिक्षा एवं राजस्थानी साहित्य लेखन के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय और दीर्घकालीन योगदान के लिए दिया जा रहा है। महरानगढ म्यूजियम ट्रस्ट जोधपुर के सहायक निदेशक डॉ. महेंद्र सिंह तंवर ने शुक्रवार को पुरस्कार की घोषणा की। डॉ. सोनी ने राजस्थानी और हिंदी साहित्य में अपनी अलग पहचान बनाई है। उनकी अब तक करीब 15 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। हाल ही में उनके राजस्थानी कहानी संग्रह 'भरखमा' को वर्ष 2025 का साहित्य अकादमी पुरस्कार भी मिल चुका है, जिससे उनकी साहित्यिक प्रतिष्ठा और मजबूत हुई है।

उनकी रचनाओं पर फिल्म निर्माण भी हो चुका है, जो उनकी लोकप्रियता को दर्शाता है। डॉ. सोनी को यह सम्मान मिलने की घोषणा के बाद जिले सहित साहित्य जगत में खुशी का माहौल है। क्षेत्र के साहित्यकारों और भाषा प्रेमियों ने इसे जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए उन्हें बधाई दी है।

लाइट माइक्रोफाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय: 308 अग्रवाल टावर, प्लॉट नंबर 2, सेक्टर-5, द्वारका, नई दिल्ली-110075
सीआईएन: U67120DL1994PTC216764

सार्वजनिक सूचना शाखा कार्यालय बंद करना

इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित शाखा दिनांक 30/06/2026 से बंद कर दी जाएगी।

राज्य	क्रम सं	शाखा का नाम	शाखा का पता
राजस्थान	1.	रतनगढ़	ध्रुव कॉम्प्लेक्स, प्रथम मंजिल, हॉल नंबर 02, डीएसपी कार्यालय के पास, वार्ड नंबर 03, लिंक रोड, रतनगढ़ - 331022
	2.	सरदार शहर	पहली मंजिल, कच्चा बस स्टैंड के सामने, श्री श्याम गैस एजेंसी के पास, पूनिया टावर, वार्ड नंबर-19, सरदारशहर, राजस्थान-331403
	3.	गंगापुर	प्लॉट नंबर 73, वार्ड नंबर-08, ग्राउंड फ्लोर, वीर बजरंग आवासीय कॉलोनी, एलएंडटी फाइनेंस कार्यालय के पास, गंगापुर, भीलवाड़ा, राजस्थान - 311801
	4.	जोजावर	ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर, कुम्हारो का बास, वन चौकी के पास, जोजावर, जिला। पाली, राजस्थान- 306022

ग्राहकों से अनुरोध है कि वे मौजूदा तरीकों से भुगतान जारी रखें और अपने फील्ड अधिकारी से संपर्क करें या हमसे निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क करें: फोन: 079-41057862, ईमेल: grievanceredressal@lightfinance.com
ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे केवल अधिकृत प्रतिनिधियों से ही लेन-देन करें और सभी लेन-देन की रसीद प्राप्त करें। यह सूचना आरबीआई के दिशा निर्देशों के अनुसार जारी की गई है।

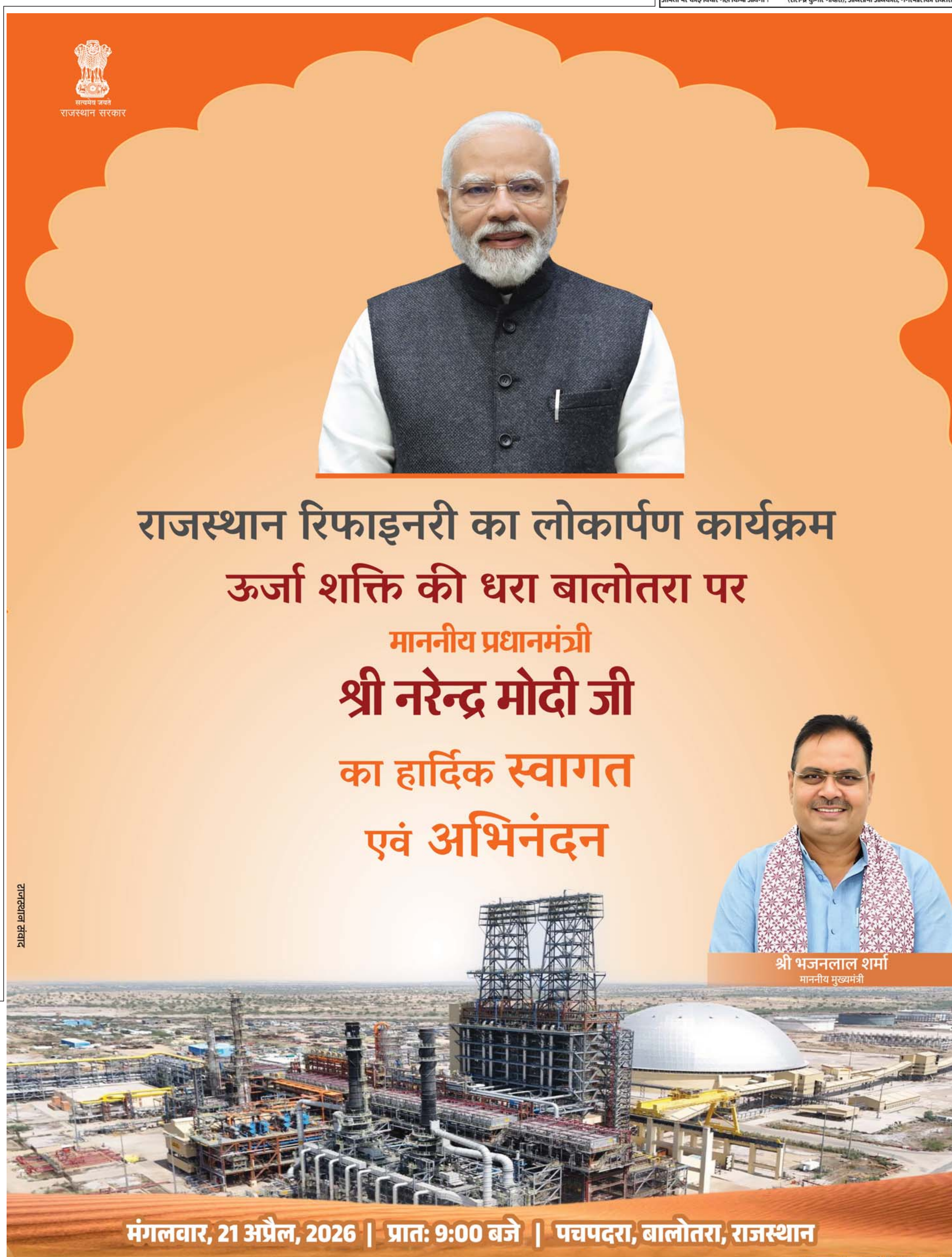

राजस्थान संवाद

हार्दिक पंड्या को कप्तानी छोड़ देनी चाहिए और जिम्मेदारी वापस रोहित शर्मा को सौंप देनी चाहिए। रोहित शर्मा की कप्तानी में 2022 तक मुंबई इंडियंस ने 5 ट्रॉफी जीतीं। – मनोज तिवारी

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, हार्दिक पंड्या की कप्तानी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो

दुनिया के बेहतरीन फुटबॉलर में से एक क्रिस्टियानो रोनाल्डो यूं ही रातों रात स्टार नहीं बन गया। रोनाल्डो ने 7-8 साल की उम्र में ही फुटबॉल खेलना शुरू किया और बचपन में 1992 से 1995 तक एंडोरिन्हा के लिए खेले जहां उनके पिता किट मैन थे। 1997 में रोनाल्डो जब 12 साल के हुए तब स्पोर्टिंग सीपी के साथ तीन दिन के ट्रायल पर गए जिसने उन्हें 1500 पाउंड की फीस पर साइन किया। इसके बाद वो मदीरा से लिस्बन चले गए ताकि स्पोर्टिंग सीपी के यूथ सिस्टम में शामिल हो सकें। महज 14 साल की उम्र में रोनाल्डो ने अपनी पढ़ाई छोड़ दी।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने 2002, 2013 और 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की है।

करौली क्रिकेट संघ को लेकर लंबित अपील दो माह में तय करे खेल सचिव

जयपुर, 17 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने खेल सचिव को कहा है कि वह करौली क्रिकेट संघ को लेकर लंबित अपील पर सभी पक्षों को सुनवाई का मौका देकर साठ दिन में उसका निस्तारण करे। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश करौली जिला क्रिकेट संघ व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता अर्पित गुप्ता ने अदालत को बताया कि गत वर्ष 18 मार्च को सहकारिता रजिस्ट्रार ने याचिकाकर्ता संघ को भंग कर एडहॉक कमेटी का गठन किया था। इस आदेश की अपील पर खेल सचिव ने 23 मार्च, 2025 को 18 मार्च के आदेश पर तीस मई तक रोक लगा दी थी। वहीं छह जून को प्रकरण की सुनवाई कर खेल सचिव ने पूर्व में दिए स्टे को हटा दिया था। इस आदेश को चुनौती देते हुए कहा गया कि खेल सचिव को विस्तृत आदेश कारण सहित पारित करना था, लेकिन उन्होंने मशीनी अंदाज में कार्रवाई की। इसका विरोध करते हुए एडहॉक कमेटी व अन्य की ओर से अधिवक्ता अभिनव शर्मा ने कहा कि हाईकोर्ट की ओर से खेल सचिव के आदेश पर रोक लगाने के बाद हाईकोर्ट में याचिका लंबित चल रही है। जिसके कारण खेल सचिव प्रकरण को तय नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में प्रकरण को पुनः खेल सचिव के समक्ष भेजा जाए और वे दोनों पक्षों को सुनकर इसे तय कर देंगे। याचिकाकर्ता की ओर से इस तर्क पर कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई गई। इस पर अदालत ने खेल सचिव को अपील का साठ दिन में निस्तारण करने को कहा है।

एसबीएस क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 17अप्रैल। अंडर-12 पिंकसिटी कप में एसबीएस क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 236 रन 6 विकेट के नुकसान पर बनाएं। अरमान सिंह ने 88 और आयुष्मान ने 35 रनों का योगदान दिया। शास्त्री क्रिकेट अकादमी की ओर से शिवा सिंह, लक्ष्य और अध्यात्म शर्मा ने 2- 2विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी शास्त्री क्रिकेट अकादमी 20 ओवर में 55 रन पर ऑल आउट हो गई। एसबीएस क्रिकेट अकादमी की ओर से मयंक ने 5 और समर झाझरिया ने 3 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच मयंक को चुना गया।

क्रिकेट ट्रेनिंग में हर खिलाड़ी को मिलेगा प्रोफेशनल कोच जैसा मार्गदर्शन

मुंबई, 17अप्रैल। क्रिकेट सीखने वाले हर खिलाड़ी का सपना होता है कि उसे किसी बड़े खिलाड़ी से ट्रेनिंग मिले, लेकिन यह मौका हर किसी को नहीं मिल पाता। अब टेक्नोलॉजी के जरिए यह दूरी कम होती नजर आ रही है, जहाँ बेहतर कोचिंग हर खिलाड़ी की पहुँच में है। एआई आधारित स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म काबुनी ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन को अपने सुपर कोच के रूप में शामिल किया है। इस साझेदारी से खिलाड़ियों को टेक्नोलॉजी के साथ-साथ इंटरनेशनल क्रिकेट का अनुभव भी मिलेगा। काबुनी के सुपर कोच शेन वॉटसन ने कहा, "क्रिकेट छोटे-छोटे बदलावों का खेल है और काबुनी इन्हें समझना और सुधारना आसान बना देता है। यह हर स्तर के खिलाड़ी के लिए बेहद उपयोगी है।" वहीं, काबुनी के फाउंडर और सीईओ निमेश पटेल ने कहा, "हमारा लक्ष्य है कि हर खिलाड़ी तक प्रोफेशनल कोचिंग पहुँचे। इस साझेदारी से हम उस दिशा में और आगे बढ़ रहे हैं।" काबुनी का प्लेटफॉर्म खिलाड़ी की मूवमेंट और गेंद की ट्रैकिंग को रियल टाइम में रिकॉर्ड करता है और उसे आसान सलाह में बदल देता है। इसकी इम्प्रूवमेंट एप्रोच छोटी-छोटी गलतियों को तुरंत ठीक करने पर काम करता है, जिससे समय के साथ बड़ा फर्क देखने को मिलता है। कुल मिलाकर, यह पहल क्रिकेट ट्रेनिंग को ज्यादा आसान, समझने लायक और हर खिलाड़ी के लिए सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

स्टेट लेवल यूथ कप अंडर-17 राजीव गांधी एकेडमी ने शास्त्री एकेडमी को हराया

जयपुर, 17 अप्रैल। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय यूथ कप अंडर 17 में आज खेले गए मैच में राजीव गांधी एकेडमी ने शास्त्री एकेडमी को 119 रनो से हराया। नारायणा ग्राउंड पर खेले गए मैच में राजीव गांधी एकेडमी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए सिफान खान के 116 रन, निलय अरोड़ा के 67 रन, पुनीत यादव के 69 रन व अनिरुद्ध सिंह के 44 रनो से 50 ओवर में 9 विकेट पर 381 रन बनाए। शास्त्री एकेडमी के लिए के लिए वैभव सिंह ने 58 पर 3, अल्तमस शेख ने 92 पर 2, व हेमेंद्र पारीक ने 66 पर 2 विकेट लिए। जवाबी पारी में शास्त्री एकेडमी की टीम ने नवीन शर्मा के 106 रन, अल्तमश शेख के 223 रन, पार्थ के 27 रन, हेमेंद्र पारीक के 25 रन, लवमीत गुर्जर के 23 रन व आर्यन के 20 रनो से 45.2 ओवर में 262 रन बनाकर आउट हो गई।

गिल की फिफ्टी से गुजरात टाइटंस ने केकेआर को पांच विकेटों से हराया

25 करोड़ी कैमरन ग्रीन का चला बल्ला

अहमदाबाद, 17 अप्रैल। गुजरात टाइटंस ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 5 विकेट से हरा दिया है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेऔर ने 181 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे शुभमन गिल की 86 रनों की पारी की मदद से जीटी ने 5 विकेट खोकर 19.4 ओवर में हासिल कर लिया।

इस मैच में टॉस जीतकर कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्ये रहाणे ने बल्लेबाजी करने का फैसला किया जो पूरी तरह से गलत साबित हआ और केकेआर के शुरुआती तीन विकेट जल्दी आउट हो गए। इसके बाद कैमरन ग्रीन और रोवमैन पॉवेल ने स्थिति को संभाला लेकिन कैमरन ग्रीन की 79 रनों की पारी के बाद भी टीम 20 ओवर में 180 रन ही बना सकी।

आखिर के पांच ओवर में जीटी के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 35 रन दिए और 5 विकेट चटकाए। 181 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात की शुरुआत अच्छी रही। कप्तान शुभमन गिल ने 50 गेंदों में 86 रनों की पारी खेली। अन्य बल्लेबाजों ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। अंत में मैच थोड़ा फंसता हुआ दिखा, लेकिन इंपैक्ट प्लेयर के रूप में आए शाहरुख खान ने आसानी से इस मैच को जिताने में अहम भूमिका निभाई। 19.4 ओवर में जीटी ने इस लक्ष्य को हासिल कर लिया। इस हार के साथ केकेआर की टूर्नामेंट में 5वीं हार है. जबकि जीटी ने 3 मुकाबले जीत लिए हैं और पॉइंट्स टेबल पर चौथे स्थान पर पहुंच गई है।

आईपीएल 2026 : राजस्थान रॉयल्स के टीम मैनेजर रविंदर सिंह भिंडर पर बीसीसीआई ने 1 लाख का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में राजस्थान रॉयल्स के टीम मैनेजर रविंदर सिंह भिंडर पर बीसीसीआई ने 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई पीएमओए (प्लेयर्स मैच ऑफिसियल्स एरिया) प्रोटोकॉल के उल्लंघन के कारण की गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने शुक्रवार को उक्त जानकारी दी। यह घटना 10 अप्रैल 2026 को गुवाहाटी के एसीए स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेले गए मैच नंबर 16 के दौरान हुई थी। भिंडर पर टीम डगआउट में मोबाइल फोन के उपयोग का आरोप है, जो बीसीसीआई के नियमों के तहत प्रतिबंधित है।

आईपीएल के दिशा-निर्देशों के अनुसार, डगआउट क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति को मोबाइल फोन के उपयोग की अनुमति नहीं होती। केवल टीम मैनेजर और मीडिया मैनेजर को डिवाइस इस्तेमाल की अनुमति होती है, वह भी केवल ड्रेसिंग रूम के भीतर, डगआउट में नहीं।

भिंडर ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए बिना शर्त माफी मांगी है। चूंकि यह उनका पहला उल्लंघन था, इसलिए बीसीसीआई ने पीएमओए प्रोटोकॉल के तहत 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया और भविष्य में नियमों का सख्ती से पालन करने की चेतावनी भी दी है। गौरतलब है कि आईपीएल हर सीजन से पहले टीम कप्तानों और मैनेजरों के लिए अनिवार्य ब्रीफिंग आयोजित करता है, जिसमें एंटी-करप्शन और सुरक्षा से जुड़े नियमों की जानकारी दी जाती है।

रविंदर सिंह भिंडर लंबे समय से राजस्थान रॉयल्स से जुड़े हुए हैं। 2016 से 2018 के बीच टीम के निलंबन के दौरान उन्होंने राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स के साथ भी काम किया था, इसके बाद 2018 में वह दोबारा राजस्थान रॉयल्स से जुड़ गए। अब राजस्थान रॉयल्स का अगला मुकाबला रविवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ होगा।

जांचकर्ता रोमी भिंडर के जवाब से पूरी तरह संतुष नहीं थे जिस कारण उनके खिलाफ एक्शन लेना जरूरी समझा गया। इस कारण उनपर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया और साथ ही चेतावनी भी दी गई। बीसीसीआई ने साफ किया कि आगे ऐसे मामले सामने आते हैं तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उबर कप से बाहर हुए ट्रीसा-जॉली और गायत्री गोपीचंद, श्रुति-प्रिया को मिला मौका

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। उबर कप से पहले भारतीय महिला बैडमिंटन टीम को बड़ा झटका लगा है। देश की शीर्ष महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने शुक्रवार को बताया कि ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद पिछले महीने स्विस ओपन के दौरान ट्रीसा के कंधे में लगी चोट के बाद से कोर्ट से बाहर चल रही थीं। दोनों खिलाड़ी बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में वापसी के लिए तैयार थीं, लेकिन ट्रीसा को फिर से चोट लगने के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा।

बीएआई ने उनकी जगह श्रुति मिश्रा और प्रिया कोंजेंगबम की जोड़ी को टीम में शामिल किया है। यह जोड़ी फिलहाल विश्व रैंकिंग में 48वें स्थान पर है। महिला प्रतियोगिता 24 अप्रैल से 3 मई तक डेनमार्क के होर्सेंस में आयोजित होगी। टीम में काविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी की जोड़ी भी शामिल है। टीम की अगुवाई दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी. वी. सिंधु करेंगी। एकल वर्ग में उन्नित हुड्डा, तान्वी शर्मा, देविका सिहाग और इशारानी बरुआ जैसे युवा खिलाड़ियों को मौका मिला है। इसके अलावा तनीषा क्रास्टो भी टीम का हिस्सा हैं, जिन्हें युगल मुकाबलों का अनुभव हासिल है।

आईपीएल 2026 में फ्लॉप क्यों हो रहे हैं बुमराह ? 5 मैच में एक भी विकेट नहीं

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। मुंबई इंडियंस के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईपीएल 2026 में विकेटों के सूखे से जूझ रहे हैं। टूर्नामेंट के पांच मैच खेल चुके बुमराह विकेट का खाता अभी तक नहीं खुला सके हैं। ये उनके करियर का लंबा सूखा है, जो फैंस को हैरान कर रहा है। मुंबई इंडियंस के सबसे बड़े हीरो माने जाने वाले जसप्रीत बुमराह इस सीजन में टीम के लिए जीरो साबित हो रहे हैं। ना वह विकेट ले पा रहे हैं और ना ही रनों पर लगाम। जो मैनेजमेंट के लिए सबसे बड़ी टेंशन बन गया है।

आईपीएल 2026 में बुमराह ने अब तक पंजाब किंग्स, आरसीबी, राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ गेंदबाजी की है। इन मुकाबलों में उन्होंने कुल 164 रन दिए है और उनकी इकोनॉमी रेट 8.63 की रही है। औसतन वह हर ओवर में करीब 8-9 रन लुटा रहे हैं जो हाई-स्कोरिंग आईपीएल में बुरा नहीं माना जा सकता लेकिन बुमराह जैसे स्ट्राइक बॉलर से विकेटों की उम्मीद हमेशा रहती है।

क्यों हो रहे हैं बुमराह फ्लॉप?

बल्लेबाज अब बुमराह के खिलाफ पहले से ज्यादा आक्रामक और आत्मविश्वास के साथ खेल रहे हैं। पहले जहां बुमराह का नाम सुनते ही बल्लेबाज सतर्क हो जाते थे लेकिन अब बल्लेबाज उनसे बिना डरे ही बड़े शॉट्स खेल रहे हैं। उनकी गेंदों का सामना करने की बैटिंग अप्रोच में साफ बदलाव दिख रहा है, जो बुमराह के विकेट लेने की क्षमता पर असर डाल रहा है।

भारत में नहीं देख पाएंगे फीफा वर्ल्ड कप के मैच, नहीं मिल रहा है ब्रॉडकास्टर

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के शुरू होने में दो महीने से भी कम का समय बचा हुआ है। ये दुनिया के सबसे बड़ा स्पोर्ट्स इवेंट में एक माना जाता है। 11 जून से टूर्नामेंट की शुरुआत होनी है। अमेरिका के साथ कनाडा और मैक्सिको के पास इसकी मेजबानी है। टूर्नामेंट में इस बार 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं। भारत की फुटबॉल टीम भले ही फीफा वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई है लेकिन टूर्नामेंट को लेकर देश में काफी क्रेज रहता है। लेकिन अभी तक ये साफ नहीं है कि भारत में टूर्नामेंट का प्रसारण होगा या नहीं। अभी तक भारत के किसी भी टेलीविजन या डिजिटल प्लेटफॉर्म ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के मीडिया राइट्स नहीं खरीदे हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में हुई थी मैच फिक्सिंग! आईसीसी की रडार पर कनाडा और न्यूज़ीलैंड मैच

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। क्रिकेट जगत में मैच फिक्सिंग की खबरें 90 के दशक के दौरान आम मानी जाती थी। लेकिन मौजूदा समय में इस तरह की खबर ने खेल प्रेमियों को असमंजस में डाल दिया है। भारत और श्रीलंका की मेजबानी में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2026 की चमक पर अब फिक्सिंग के काले बादल छा गए हैं। दरअसल, इस टूर्नामेंट में कनाडा और न्यूजीलैंड के बीच 17 फरवरी को जो मुकाबला खेला गया था उस पर अब सवाल उठने लगे हैं। आईसीसी ने इस मैच की गहराई से जांच शुरू कर दी है। बता दें कि, 2026 के इस वर्ल्ड कप का फाइनल भारत ने जीता था और टीम इंडिया लगातार दूसरी बार चैंपियन बनी थी। लेकिन इस सुनहरे सफर के बीच 17 फरवरी को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में न्यूजीलैंड और कनाडा के बीच मुकाबला खेला गया था। अभी इसी मैच को लेकर चौंकाने वाले खुलासे किए जा रहे हैं। ये पूरा मामला तब सामने आया जब कनाडा के पब्लिक ब्रॉडकास्टर सीबीसी ने 10 अप्रैल को एक 43 मिनट की डॉक्यूमेंट्री दिखाई, जिसका नाम था करप्शन, क्राइम और क्रिकेट। इस रिपोर्ट में क्रिकेट कनाडा के भीतर चल रही धांधली और गवर्नेंस के मुद्दों पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। जांच का मुख्य केंद्र न्यूजीलैंड की पारी का पांचवां ओवर है। इस ओवर को कनाडा के कप्तान दिलप्रीत बाजवा ने फेंका था। गौर करने वाली बात ये है कि बाजवा को टूर्नामेंट शुरू होने से महज तीन हफ्ते पहले ही टीम का कप्तान बनाया गया था। बाजवा ने शुरुआत एक नो-बॉल और एक वाइड के साथ की। पूरे ओवर में उन्होंने 15 रन लुटा दिए थे। न्यूजीलैंड ने 174 रनों के लक्ष्य को बड़ी आसानी से सिर्फ 15.1 ओवर में हासिल कर लिया और इस दौरान कोई और विकेट भी नहीं गिरा। मामला सिर्फ एक ओवर तक सीमित नहीं है। आईसीसी एक रिकॉर्डेड फोन कॉल की भी जांच कर रही है, जो कनाडा के पूर्व कोच खुर्रम चौहान से जुड़ा है। चौहान का आरोप है कि क्रिकेट कनाडा के सीनियर बोर्ड मेंबर्स उन पर कुछ खास खिलाड़ियों को टीम में चुनने का दबाव डाल रहे थे। उन्होंने ये भी दावा किया कि मैच फिक्स करने की कोशिशें की गई थीं

आईपीएल 2026 : ऑरेंज कैप की रेस में प्रभसिमरन और अय्यर की मजबूत दावेदारी, विराट शीर्ष पर बरकरार

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में ऑरेंज और पर्पल कैप की दौड़ रोमांचक होती जा रही है। मैच नंबर 24 के बाद, जहां पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को एकतरफा मुकाबले में हराया, अंक तालिका के साथ-साथ व्यक्तिगत प्रदर्शन की रेस में भी हलचल देखने को मिली है।

ऑरेंज कैप की सूची में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली अब भी शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं, लेकिन पंजाब किंग्स के प्रभसिमरन सिंह और कप्तान श्रेयस अय्यर तेजी से उन्हें चुनौती दे रहे हैं। मुंबई के खिलाफ मुकाबले में प्रभसिमरन सिंह ने 39 गेंदों में नाबाद 80 रन की शानदार पारी खेली, जबकि श्रेयस अय्यर ने 35 गेंदों में 66 रन बनाए। इस प्रदर्शन के बाद प्रभसिमरन 211 रन के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं, वहीं अय्यर 203 रन बनाकर छठे स्थान पर काबिज हैं।

सूची में विराट कोहली के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के रजत पाटीदार और सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान किशन का स्थान है। वहीं राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी, जो कुछ समय पहले तक शीर्ष पर थे, सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शून्य पर आउट होने के बाद सातवें स्थान पर खिसक गए हैं।

पर्पल कैप की रेस में शीर्ष नौ स्थानों पर कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन मुंबई इंडियंस के शार्दुल ठाकुर ने टॉप-10 में जगह बना ली है। वह 6 विकेट के साथ 10वें स्थान पर हैं। इस सूची में गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा और चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज 10-10 विकेट लेकर संयुक्त रूप से शीर्ष पर बने हुए हैं। उनके पीछे लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव और राजस्थान रॉयल्स के रवि बिश्नोई 9-9 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इसके अलावा राजस्थान रॉयल्स के जोफ्रा आर्चर और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार व क्रुणाल पांड्या 7-7 विकेट के साथ इस दौड़ में बने हुए हैं।

अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग

एसजे पब्लिक स्कूल ने जयपुर स्पोर्ट्स क्लब को 6 विकेट से पराजित किया

जयपुर, 17 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग में आज खेले गए मैच में एस जे पब्लिक स्कूल ने जयपुर स्पोर्ट्स क्लब को 6 विकेट से पराजित किया। के एल सैनी स्टेडियम पर पूल ए के मैच में जयपुर स्पोर्ट्स क्लब टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 42.1 ओवर में 202 रनों पर ऑल आउट हो गई। जिसमें शिवांजल अग्रवाल ने सर्वाधिक 48 रन, संजू सारण 36 रन, आदित्य जाखड़ 33, आशीष शर्मा ने 32 रन तथा शोभित मिश्रा ने 18 रनों का योगदान दिया एस जे पब्लिक स्कूल के लिए मोहित मेघानी ने 32 पर 3, वीरेंद्र शर्मा ने 44 पर 3, उमेश मीना ने 39 पर 2 व दिनेश मीना ने 1 विकेट लिया।

जवाबी पारी में एस जे पब्लिक स्कूल की टीम ने 40.2 ओवर में 4 विकेट खोकर 202 रन बना कर मैच जीत लिया । जिसमें अक्षत चांदवाल 74 रन, दिनेश मीना 58 रन, उमेश मीना 19 रन, जतिन ने 14 रन बनाए जयपुर स्पोर्ट्स क्लब के लिए संजय महावर ने 33 पर 2 तथा, रुद्राक्ष परवाल ने 34 पर 2, अविनाश यादव तथा वेदांग शर्मा ने एक-एक विकेट लिया। इससे पूर्व आज जयपुर जिला क्रिकेट संघ के कन्वीनर राजेश कुमार ताम्बी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया।

आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 'ग्रीन जर्सी' में उतरेगी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

बेंगलुरु, 17 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) शनिवार को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले में अपनी खास 'ग्रीन जर्सी' में नजर आएगी। यह पहल फ्रेंचाइजी के पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पण को दर्शाती है।

रीसाइकिल्ड सामग्री से बनी यह ग्रीन जर्सी आरसीबी की 'ग्रीन इनिशिएटिव' का हिस्सा है, जिसकी शुरुआत 2011 में की गई थी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु दुनिया की एकमात्र कार्बन-न्यूट्रल टी20 फ्रेंचाइजी है और अब वह कार्बन-पॉजिटिव बनने की दिशा में काम कर रही है। फ्रेंचाइजी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश मेनन ने कहा, टी20 फ्रेंचाइजी के रूप में कार्बन-न्यूट्रल दर्जा हासिल करना वर्षों की मेहनत का परिणाम है। ठीन जर्सी इस प्रतिबद्धता का प्रतीक है और हम उम्मीद करते हैं कि यह पहल हमारे प्रशंसकों और साझेदारों को भी पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करेगी।

आरसीबी अपने मैचों के दौरान दर्शकों के व्यवहार का भी अध्ययन कर रही है। स्टेडियम में सर्वे के जरिए यह देखा जा रहा है कि प्रशंसक किस तरह यात्रा करते हैं, राइड-शेयरिंग का कितना उपयोग होता है और प्रति दर्शक कार्बन उत्सर्जन कितना है।

फ्रेंचाइजी ने प्रशंसकों को सार्वजनिक परिवहन के उपयोग के लिए भी प्रोत्साहित किया है। मैच टिकट के साथ बेंगलुरु मेट्रो में यात्रा की सुविधा दी जा रही है। स्टेडियम स्तर पर कचरा प्रबंधन को भी मजबूत किया गया है, जिसमें कचरे के पृथक्करण और निगरानी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके अलावा सौर ऊर्जा आधारित लाइटिंग, ऊर्जा बचत और अन्य उपायों के जरिए कार्बन उत्सर्जन को कम करने की कोशिश की जा रही है।

आरसीबी टीम यात्रा, आवास और ऊर्जा खपत से जुड़े अपने कार्बन फुटप्रिंट का भी विस्तृत आकलन कर रही है। पूरे सीजन के दौरान मैच-दिवस पर सस्टेनेबिलिटी ऑडिट भी किए जाएंगे, जिनके आधार पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

रूस ने तीसरे फ्रेंडली मैच में भारतीय अंडर-17 महिला टीम को 3-0 से हराया

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम ने रूस दौरे का समापन हार के साथ किया। सोची के मात्सेस्टा फुटबॉल सेंटर में शुक्रवार को खेले गए तीसरे और अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले में मेजबान रूस ने भारत को 3-0 से पराजित किया। पहले हाफ में दोनों टीमें गोल करने में नाकाम रहीं, लेकिन दूसरे हाफ की शुरुआत में ही रूस ने बढ़त बना ली। 46वें मिनट में वैलेरिया मेन्याइलोवा ने गोल कर रूस को 1-0 से आगे कर दिया। इसके बाद 80वें मिनट में पोलिना फ्रोलोवा ने बढ़त दोगुनी की और इंजरी टाइम (90 2) में अन्ना बिखानोवा ने तीसरा गोल कर मैच पर रूस की मुहर लगा दी। मैच के 82वें मिनट में भारत की जूलन नोंगमैथम को दूसरा येलो कार्ड मिलने के बाद मैदान से बाहर जाना पड़ा।

आरसीए एडहॉक कमेटी : हिन्दुस्तान जिंक प्रतिनिधियों के मध्य हुई आरसीए के निर्माणाधीन स्टेडियम के संबंध में महत्वपूर्ण चर्चा : डॉ. मोहित

जयपुर, 17 अप्रैल। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव के अनुसार जयपुर में चौंपस्थित आरसीए के निर्माणाधीन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट की सहयोगी हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने आज आरसीए एडहॉक कमेटी से मुलाकात कर स्टेडियम के सम्बद्ध में चर्चा की। संयोजक के अनुसार आरसीए कार्यालय, सवाई मान सिंह स्टेडियम में आरसीएएडहॉक कमेटी व हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के मध्य हुई चर्चा में आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव, सदस्य आशीष तिवाड़ी, अरिष्ट सिंघवी मौजूद रहे व आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य धनञ्जय सिंह खींवसर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े। मीटिंग में हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के प्रतिनिधि के तौर पर अनुपम निधि, मंयक सहित अन्य प्रतिनिधियों ने भाग लिया। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने आरसीए के चौंप में निर्माणाधीन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण को गति प्रदान करने में सहयोग के सम्बन्ध में सकारात्मक रुख अपनाते हुए आरसीए एडहॉक कमेटी से स्टेडियम के निर्माण से सम्बंधित विभिन्न मुद्दों स्टेडियम के वर्तमान निर्माण की समीक्षा व गुणवत्ता, स्टेडियम निर्माण के आगामीफेज की रुपरेखाव आरसीए, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड व अन्य सहयोगियों के मध्य आपसी सामंजस्य पर गहन चर्चा की। संयोजक के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी ने हिंदुस्तान जिंक के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया की हम सभी सम्बंधित सहयोगी संस्थाओं की एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन करेंगे जो स्टेडियम के अब तक के निर्माण व व्यय की समीक्षा कर अपनी रिपोर्ट एडहॉक कमेटी को सौंपेगी जिससे स्टेडियम के अगले चरण का निर्माण जल्द से जल्द प्रारम्भ हो। उन्होंने कहा की हमारा हमारा प्रयास है की जयपुर में आरसीए, बीसीसीआई, हिंदुस्तान जिंक व अन्य सहयोगी संस्थाओं के सहयोग से आरसीए के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण जल्द से जल्द पूरा कर राज्य के लोकप्रिय व यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय भजन लाल शर्मा की द्वारा स्टेडियम का उद्धघाटन कराया जाये जिससे राज्य के करोड़ों खेल प्रेमियों व खिलाडियों को एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट स्टेडियम की सौगात प्राप्त हो।

कड़ी मेहनत और लगन से सफलता जरूर मिलेगी : डॉ. कृष्णा पूनिया

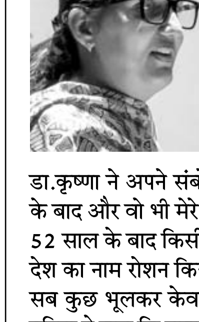

जयपुर, 17 अप्रैल। किसी भी सफल खिलाड़ी के पीछे उसकी कड़ी मेहनत, लगन और उसका डेडिकेशन अहम होता है। वह अपने लक्ष्य को पाने के लिए दिन रात एक कर देता है, यह बात पूर्व व पदमश्री ओलंपियन डाक्टर कृष्णा पूनिया ने शुक्रवार को जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी के सेंटर ऑफ योगा एंड स्पोर्ट्स एजुकेशन द्वारा आयोजित जेयू स्पोर्ट्स लीडरशिप कॉन्क्लेव 2026 के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप मे कही। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद की पूर्व अध्यक्ष डा.कृष्णा ने अपने संबोधन में अपनी सक्सेस स्टोरी सुनाते हुए कहा कि उन्होंने शादी के बाद और वो भी मेरे बेटे के जन्म के बाद खेलना शुरु किया और कडी मेहनत करके 52 साल के बाद किसी महिला खिलाड़ी के रूप में कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। लेकिन यह सब तब हो पाया जब मैने कडी मेहनत की और सब कुछ भूलकर केवल मेरे लक्ष्य पर ध्यान पर दिया। मुख्य अतिथि के रूप डाक्टर पूनिया ने कहा कि सफलता का कोई शोर्ट कट नहीं है। महनत से सफलता जरूर मिलती है, इसलिए लक्ष्य को ध्यान में रखकर मेहनत करेगें का सफल जरूर होगें।

जनमानस ने मन बनाया, प.बंगाल में भाजपा भारी बहुमत से जीतेगी- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने सिलीगुड़ी में कहा कि बंगाल की जनता तृष्टिकरण व भ्रष्टाचार से त्रस्त है

सिलीगुड़ी/जयपुर, 17 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की तुष्टीकरण और भ्रष्टाचार की राजनीति से जनता त्रस्त है। ममता जी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल का विकास अवरूद्ध हो गया है, सरकारी खजाने को लूटा जा रहा है तथा घुसपैठियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं, भाजपा का संकल्प है, साफ नीयत, स्पष्ट नीति और तेज गति से विकास। पश्चिम बंगाल में जनमानस ने

- मुख्यमंत्री ने सिलीगुड़ी में मारवाड़ी समाज के कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी शंकर घोष के पक्ष में रोड शो में भाग लिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में भाजपा प्रत्याशी शंकर घोष के समर्थन में आयोजित भव्य रोड शो में भाग लिया।

भाजपा के पक्ष में मन बना लिया है और यहां भाजपा की सरकार भारी बहुमत से जीतेगी। शर्मा शुक्रवार को पश्चिमी बंगाल के सिलीगुड़ी में आयोजित मारवाड़ी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी देश और दुनिया में राजस्थान की संस्कृति और परम्परा को फैलाने का कार्य कर रहे हैं। मारवाड़ी लोगों को अपने परोपकारी कार्यों के लिए देश-दुनिया में जाना जाता है। प्रवासी राजस्थानी केवल आर्थिक गतिविधियाँ ही नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकार के कार्य भी करते हैं। उन्होंने कहा कि समाज ने कर्मभूमि में अस्पताल, स्कूल, धर्मशालाएं, गौशाला और देवालय बनवाकर सेवा भाव का परिचय दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में केन्द्र सरकार द्वारा भारतमाला परियोजना के तहत 520 किमी लंबा गोरखपुर-सिलीगुड़ी ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे बन रहा है, जिससे अब यूपी से बंगाल की दूरी घंटों में सिमट जाएगी। साथ ही, कोलकाता-सिलीगुड़ी के बीच 6-लेन हाईवे और बागडोगरा एयरपोर्ट का नया आधुनिक टर्मिनल यहां के व्यापार और पर्यटन की तस्वीर बदल देगा।

मुख्यमंत्री ने सिलीगुड़ी में भाजपा प्रत्याशी शंकर घोष के समर्थन में आयोजित भव्य रोड शो में भाग लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित जनसमूह ने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने हाथ जोड़कर आमजन का अभिवादन स्वीकार किया। शर्मा का विभिन्न स्थानों पर लोगों ने फूल-मालाओं से अभिनंदन किया। 'भारत माता की जय' 'जय श्री राम' और भाजपा के समर्थन में लगे नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। रोड शो के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं आमजन मौजूद रहे।

हाईकोर्ट ने दोहरी नागरिकता पर राहुल गांधी के खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश दिये

लखनऊ, 17 अप्रैल। उत्तर प्रदेश के रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर दोहरी नागरिकता के मामले में एफआईआर दर्ज करने का आदेश जारी किया गया है। इस आदेश ने कांग्रेस सांसद की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हाई कोर्ट लखनऊ बेंच का आदेश जारी होने के बाद एक बार फिर यह मामला गरमा गया है। कोर्ट में दायर अर्जी में गांधी पर ब्रिटिश नागरिक होने का आरोप लगाया गया है। दरअसल, राहुल गांधी के रायबरेली से सांसदी को चुनौती देने वाली याचिका में राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता रखने का दावा किया गया है। इसमें कहा गया है कि कांग्रेस सांसद भारतीय नागरिक होने के साथ-साथ ब्रिटिश नागरिकता भी रखते हैं।

हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच की ओर से लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया गया है। दोहरी नागरिकता से जुड़े मामले में शुक्रवार को सुनवाई हुई।

ईरान से भारत ने 2361 लोगों को सुरक्षित निकाला

विदेश मंत्रालय ने बताया इनमें बांग्लादेश, श्रीलंका व गुयाना का एक-एक नागरिक भी शामिल है

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। भारत ने पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक, ईरान से अपने एवं मित्र देशों के 2361 नागरिकों को आर्मेनिया और अजरबैजान के रास्ते से सुरक्षित निकाला है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में एक सवाल के जवाब में कहा, "संघर्ष के प्रकोप के बाद से हमने 2,361 नागरिकों को ईरान से सुरक्षित रूप से निकालने में मदद की है। इनमें से 2,060 आर्मेनिया के माध्यम से और 301 अज़रबैजान के माध्यम से आए हैं। इन 2,361 लोगों में 1,041 भारतीय छात्रों के साथ तीन विदेशी भी शामिल हैं। एक बांग्लादेश से, एक श्रीलंका से और एक गुयाना से है।"

- विदेश मंत्रालय ने बताया कि ईरान में अभी भी 6 से 7 हजार भारतीय मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि ईरान में अभी भी 6000 से 7000 भारतीय मौजूद हैं। पश्चिम एशिया संकट पर एक अंतर-मंत्रालयी संवाददाता सम्मेलन में विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (खाड़ी) असीम महाजन ने भी कहा, "सरकार खाड़ी और पश्चिम एशिया क्षेत्र में निगरानी करना जारी रखे हुए हैं। विदेश मंत्रालय में एक समर्पित विशेष नियंत्रण कक्ष परिचालन कर रहा है और हमारे मिशनों के साथ समन्वय में काम कर रहा है। स्थानीय सरकार के दिशानिर्देशों, उड़ान और यात्रा की स्थिति, कांसुलर सेवाओं और हमारे समुदाय का समर्थन करने के लिए किए जा रहे विभिन्न कल्याणकारी उपायों से संबंधित जानकारी के साथ अपडेटेड सलाह जारी की जा रही हैं।"

महाजन ने कहा कि इस क्षेत्र से भारत के लिए उन देशों से उड़ानें जारी हैं, जहां हवाई क्षेत्र खुला है। तेहरान में भारतीय दूतावास ने अब तक ईरान से आर्मेनिया और अज़रबैजान तक 2,358 भारतीय नागरिकों की भारत की आगे की यात्रा के लिए आवाजाही की सुविधा प्रदान की है। इज़राइल का हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से प्रतिबंधित उड़ान संचालन के साथ खुला है। हम जॉर्डन और मिस्र के माध्यम से इज़रायल से भारतीय नागरिकों की यात्रा को भारत तक सुविधाजनक बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

विदेश मंत्रालय शेख हसीना के प्रत्यर्पण के अनुरोध की समीक्षा कर रहा है

साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में प्रवक्ता ने कहा कि समीक्षा में न्यायिक व आंतरिक कानूनी प्रक्रियायें शामिल हैं

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। भारत ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के मामले में शुक्रवार को स्पष्ट किया कि इससे जुड़ी एक याचिका की समीक्षा की जा रही है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में शेख हसीना के मुद्दे पर कहा कि इस संबंध में एक अनुरोध विचाराधीन है, जो चल रही न्यायिक और आंतरिक कानूनी प्रक्रियाओं का हिस्सा है। भारत इस मुद्दे पर सभी संबंधित पक्षों के साथ रचनात्मक रूप से संवाद जारी रखेगा और हर स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए है। जायसवाल ने कहा कि विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने बांग्लादेश की नई सरकार के साथ रचनात्मक जुड़ाव की भारत की इच्छा दोहराई है और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दिया है।

दोनों पक्षों ने आपसी सहयोग को और गहरा करने के लिए विभिन्न द्विपक्षीय तंत्रों के माध्यम से प्रस्तावों पर विचार करने पर सहमति जताई है। वहीं,

- प्रवक्ता ने बताया कि नीरव मोदी के प्रत्यर्पण पर भारत ब्रिटेन से लगातार संपर्क में है।

देश के भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी के प्रत्यर्पण से जुड़े प्रश्न पर जायसवाल ने कहा कि भारत इस मामले में ब्रिटेन के साथ लगातार संपर्क में है। इस विषय में कानूनी प्रक्रिया जारी है और भारत सरकार इस पर करीबी नजर रखे हुए है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की स्पष्ट नीति है कि देश से भागे हुए आर्थिक अपराधियों को वापस लाकर कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए। सरकार इस दिशा में पूरी तरह प्रतिबद्ध है और संबंधित देशों के साथ समन्वय के माध्यम से आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान भारत के तीन दिवसीय दौरे पर आए थे। उन्होंने भारत सरकार से बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सौंपने की मांग की थी।

होर्मुज़ खुलने से तेल की कीमत 10 प्रतिशत घटी

नई दिल्ली, 17 अप्रैल। वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी राहत के रूप में, ईरान द्वारा होर्मुज़ स्ट्रेट को पूरी तरह से खोलने की घोषणा के बाद शुक्रवार को कच्चे तेल की कीमतों में 10 प्रतिशत से अधिक की भारी गिरावट दर्ज की गई है। इस कदम से फारस की खाड़ी से तेल टैंकरों की आवाजाही फिर से शुरू हो गई है, जिससे दुनिया भर में ग्राहकों तक कच्चे तेल की आपूर्ति

- बैंच मार्क माने जाने वाले अमेरिकी क्रूड की कीमत 81.28 डॉलर प्रति बैरल हो गई।

सुचारू हो सकेगी। कच्चे तेल की आपूर्ति बहाल होने और भू-राजनीतिक तनाव कम होने की उम्मीद के बीच अमेरिकी शेयर बाजार एक और रिकॉर्ड ऊंचाई की ओर बढ़ गए हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के बावजूद वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए सबसे खराब स्थिति से बचने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। इसका सबसे बड़ा और सीधा असर ऊर्जा बाजार पर दिखा है।

ट्रंप ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ट्रंप के बयान ऐसे समय में आए हैं जब अमेरिका मध्य पूर्व में कई कूटनीतिक प्रयास आगे बढ़ा रहा है, जिसमें ईरान के साथ बातचीत और इज़रायल-लेबनान सीमा पर तनाव रोकने की कोशिशें शामिल हैं। ट्रंप ने कहा कि हिज़बुल्लाह के मामले में लेबनान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वे हिज़बुल्लाह का ध्यान रखेंगे... वे अभी हिज़बुल्लाह पर काम कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने यह भी संकेत दिया कि अगर बातचीत आगे बढ़ती है तो वह मिडिल ईस्ट की यात्रा कर सकते हैं। उन्होंने कहा, "मैं निश्चित रूप से वहाँ जाऊँगा... सही समय पर।" इन बयानों से यह स्पष्ट होता है कि अमेरिका का कूटनीतिक दायरा दक्षिण एशिया और मध्य पूर्व तक बढ़ रहा है, और वह ईरान और क्षेत्रीय स्थिरता पर प्रगति चाहता है।

खंडपीठ ने वेटनरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में कहा गया कि आरपीएससी ने गत 17 जुलाई को वेटनरी ऑफिसर के लिए भर्ती निकाली थी, जिसमें उन अभ्यर्थियों को भी आवेदन करने की अनुमति दी गई, जो पाठ्यक्रम के अंतिम साल में थे या इंटर्नशिप कर रहे थे। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि आयोग ने 19 अप्रैल, 2026 को भर्ती परीक्षा तय की है, लेकिन उस समय तक उनकी इंटर्नशिप पूरी नहीं हुई है। पशुपालन विभाग ने भी गत 9 जनवरी को परीक्षा तिथि बढ़ाने का अनुरोध किया और मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से भी हस्तक्षेप किया गया, लेकिन आयोग ने तिथि नहीं बढ़ाई। इसके अलावा, पशुपालन विवि ने भी आयोग को पत्र लिखकर इंटर्नशिप में देरी के कई कारण बताए थे। ऐसे में परीक्षा को आगे बढ़ाया जाए। इसका विरोध करते हुए आरपीएससी की ओर से अधिवक्ता एमएफ बेग ने कहा कि अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जारी हो चुके हैं और सभी बीस परीक्षा केन्द्रों पर सारी तैयारी कर ली गई है।

यदि परीक्षा टाली गई तो चयन प्रक्रिया में अनावश्यक देरी होगी। इसके अलावा हाईकोर्ट की एकलपीठ भी परीक्षा तिथि में बदलाव से इनकार कर चुकी है। मामले की सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने परीक्षा तिथि बढ़ाने से इनकार कर दिया है।

रूस से तेल खरीदने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महीनों में रूस भारत के लिए तेल का एक प्रमुख स्त्रोत बना रहेगा, लेकिन व्यापार करने का तरीका बदल सकता है। उदाहरण के लिए, भारतीय रिफाइनरी कंपनियां आने वाले महीनों में सीधे प्रतिबंधित रूसी फर्मों से डील करने से बचेंगी और इसके बजाय, व्यापार मध्यस्थों का उपयोग करना पसंद करेंगी। साथ ही, भारत शिपिंग और भुगतान के लिए कड़ी अनुपालन जांच का पालन करेगा।

अमेरिकी छूट का उद्देश्य खाड़ी संकट के बीच वैश्विक तेल आपूर्ति में अचानक व्यवधान को रोकना था। इस छूट ने सुनिश्चित किया कि कट-ऑफ तिथि से पहले समुद्र में भेजा गया कच्चा तेल अभी भी खरीदारों तक पहुँच सके। इससे वैश्विक बाजार स्थिर रहने में मदद मिली। भारतीय रिफाइनरी कंपनियां रूसी आपूर्तिकर्ताओं की ओर अधिक आकर्षित हुईं, क्योंकि उन्होंने कम कीमत और बड़ी मात्रा में कच्चा तेल उपलब्ध कराया।

वैश्विक तेल बाजार भू-राजनीतिक तनाव, कुछ क्षेत्रों में शिपिंग जोखिम और सप्लाई चेन में व्यवधान के कारण, कीमत के मामले में संवेदनशील बना हुआ है। इसलिए, भारत कम से कम कुछ समय रूसी तेल की खरीद जारी रख सकता है, हालांकि व्यापार का तरीका अधिक जटिल होने की और सतर्क निगरानी रहने की संभावना है।

"डोन्ट डू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चाहिए? महिला आरक्षण तैयार है... इसे परिसीमन से जोड़ना भारतीय महिलाओं की आकांक्षाओं को हमारे देश के सबसे विवादास्पद और जटिल प्रशासनिक कवायद में बंधक बनाना है।

उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को उनका आरक्षण देने का समर्थन करती है।

थरूर ने चेतावनी दी कि इस प्रक्रिया से उन राज्यों के बीच असंतुलन पैदा हो सकता है, जिन्होंने जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण किया है और जिन्होंने नहीं किया है। उन्होंने सरकार से कहा, "कोई भी परिसीमन प्रक्रिया जटिलताओं से भरी होती है, जो हमारे संघवाद के मूल ताने-बाने को नुकसान पहुँचा सकती है।

परिसीमन प्रक्रिया पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए। इसे जल्दीबाज़ी में नहीं किया जा सकता। महिला आरक्षण बिल आज पारित करें, हम उसका समर्थन करेंगे। जहाँ तक परिसीमन का प्रश्न है, इसे टाल दें। महिलाओं को उनका आरक्षण दें, कृपया देश के बड़े हित पर विचार करें।

कोलकाता में तृणमूल नेताओं पर ईडी व इनकम टैक्स की रेड

ईडी व इनकम टैक्स की टीमों ने शुक्रवार सुबह से ही अलग-अलग स्थानों पर रेड की

कोलकाता, 17 अप्रैल। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बीच राज्य में केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाही लगातार जारी है। जहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक रियल एस्टेट कंपनी और एक निर्माण संस्था के ठिकानों पर छापेमारी की, वहीं आयकर विभाग की तरफ से रासबिहारी के तृणमूल उम्मीदवार देबाशीष कुमार के घर सहित कई स्थानों पर दबिश दी गई। शुक्रवार सुबह सीजीओ कॉम्प्लेक्स से ईडी की कई टीमें पहुंचीं। उनके साथ केन्द्रीय बल भी थे।

ईडी की अलग-अलग टीमों ने शुक्रवार सुबह से ही एक रियल एस्टेट कंपनी के कई ठिकानों पर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। ईडी के अधिकारी साल्ट लेक और कोलकाता में चार जगहों पर पहुंचे हैं। उन्होंने न

- रासबिहारी के तृणमूल प्रत्याशी देबाशीष कुमार के घर इनकम टैक्स की रेड हुई वहीं एक रियल एस्टेट कंपनी पर ईडी ने छापेमारी की।

केवल रियल एस्टेट कंपनी, बल्कि एक अन्य निर्माण कंपनी के कार्यालय पर भी छापेमारी की।

सूत्रों के मुताबिक, ये सर्च ऑपरेशन वित्तीय धोखाधड़ी के मामले को लेकर है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले इस कंस्ट्रक्शन कंपनी से जुड़े घरों, फ्लैटों और दफ्तरों में तलाशी अभियान चलाया गया था। ईडी ने दावा किया कि यह ऑपरेशन चुनाव से पहले अवैध वित्तीय लेनदेन को रोकने और कुछ भूमि संबंधी मामलों में लेनदेन की जानकारी खोजने के लिए था।

दूसरी ओर, ईडी के अलावा एक अन्य केन्द्रीय एजेंसी आयकर विभाग भी कोलकाता में तलाशी अभियान चला रहा है। उन्होंने शुक्रवार सुबह रासबिहारी निर्वाचन क्षेत्र के तृणमूल उम्मीदवार देबाशीष कुमार के घर सहित कई स्थानों पर दबिश दी।

आयकर विभाग की एक टीम शुक्रवार सुबह रासबिहारी के निवर्तमान विधायक देबाशीष के मनोहरपुकुर रोड स्थित घर पहुंची। न सिर्फ उनके घर, बल्कि मनोहरपुकुर रोड स्थित उनके चुनाव कार्यालय पर भी आयकर विभाग के अधिकारियों ने छापा मारा था।

'एक माह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की एकलपीठ ने यह आदेश सुंदरी देवी की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि यह आश्चर्य की बात है कि हाईकोर्ट की खंडपीठ साल 2023 में तय कर चुकी है कि बहू भी बेटी के समान अनुकंपा नियुक्ति की हकदार है, तो यह जानते हुए भी विभाग की ओर से जवाब में वही आपत्ति उठाई गई है, जिसे पूर्व में खारिज किया जा चुका है। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता के पति की भी छह साल पूर्व मौत हो चुकी है। ऐसे में परिवार के सभी आश्रित याचिकाकर्ता पर ही निर्भर हैं।

याचिका में अधिवक्ता आरसी गौतम ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता के ससुर सार्वजनिक निर्माण विभाग में पदस्थापित थे। इस दौरान 19 नवंबर, 2016 को उनकी मौत हो गई। याचिकाकर्ता के पति का पिता के जीवनकाल में ही एक्सीडेंट हो गया था और वह पूरी तरह से बेड पर आ गया था। ऐसे में याचिकाकर्ता ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया था, लेकिन विभाग ने उस पर विचार नहीं किया। मामले पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को एक माह में नियुक्ति देते हुए, पालना रिपोर्ट अदालत में पेश करने को कहा है।

ईरान में 48 दिन बाद गूगल सर्च सेवा बहाल

ईरान ने युद्ध शुरु होने पर इंटरनैट बंद कर दिया था उसमें अब आंशिक राहत देनी शुरु कर दी है

तेहरान, 17 अप्रैल। ईरान में करीब 48 दिनों तक चले इंटरनेट प्रतिबंधों के बाद आंशिक अब राहत मिली है। देश में अब गूगल सर्च सेवा बहाल कर दी गई है, जिससे आम नागरिक फिक्स्ड लाइन और मोबाइल इंटरनेट के जरिए सर्च इंजन का उपयोग कर पा रहे हैं। हालांकि, इंटरनेट कनेक्टिविटी अब भी पूरी तरह स्थिर नहीं हो सकी है और कई जगहों पर उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जहां एक ओर गूगल सर्च की वापसी हुई है, वहीं जीमेल समेत, कई अन्य महत्वपूर्ण सेवाएं अब भी बंद हैं। इससे स्पष्ट है कि देश में इंटरनेट सेवाएं अभी पूरी तरह सामान्य नहीं हुई हैं और डिजिटल गतिविधियों पर आंशिक प्रतिबंध जारी है।

- अभी भी जीमेल सहित कई महत्वपूर्ण सेवाएं बंद हैं और इंटरनैट कनैक्टिविटी भी अस्थिर है।

अमेरिका, इज़रायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और सैन्य संघर्ष के बाद ईरानी सरकार ने देश में इंटरनेट पर सख्त पाबंदियां लगा दी थीं। इस दौरान आम नागरिकों के लिए इंटरनेट एक्सेस लगभग बंद कर दिया गया था। केवल कुछ सीमित यूजर्स, जैसे सरकारी नेटवर्क से जुड़े लोग या वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) का इस्तेमाल करने वाले-ही इंटरनेट का उपयोग कर पा रहे थे।

लंबे समय तक इंटरनेट बंद रहने का देश की अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ा है। रिपोर्ट्स में अनुमान लगाया गया है कि इन पाबंदियों के चलते ईरान को करीब 1.8 अरब डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ है। ई-कॉमर्स, डिजिटल सेवाओं और छोटे व्यवसायों पर इसका सबसे ज्यादा प्रभाव देखने को मिला। सरकार की ओर से इंटरनेट सेवाओं को धीरे-धीरे बहाल करने की प्रक्रिया जारी है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि सभी सेवाएं पूरी तरह कब तक सामान्य हो पाएंगी। फिलहाल, आंशिक बहाली को एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है, लेकिन पूर्ण डिजिटल सामान्य स्थिति बहाल होने में अभी समय लग सकता है।

'15 अप्रैल को हमने आदेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुनवाई प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, "अदालत को गुमराह किया गया। मैंने एक छोटा सा त्रुटिपूर्ण दस्तावेज दाखिल किया, और कोर्ट का यह अवलोकन अग्रिम जमानत पर निर्णय लेने वाली किसी भी अदालत को बाध्य नहीं करेगा।

बैंच ने टिप्पणी की, "छोटी गलती? आप जाली और फैब्रिकेटेड दस्तावेज़ दाखिल नहीं कर सकते। और हम इस बात से सहमत नहीं हैं कि असम पुलिस ने अदालत को गुमराह कर आदेश लिया है।"

बैंच ने दोहराया कि जब किसी सक्षम अदालत में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन दाखिल किया जाता है, तो इसे ट्रांज़िट जमानत देने या उसे रोकने के आदेश से प्रभावित नहीं किया जा सकता।

असम पुलिस की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने खेड़ा की अग्रिम जमानत को बढ़ाने के प्रयास का विरोध किया। मेहता ने कहा कि खेड़ा को असम में जिला अदालत जाने से कोई नहीं रोक रहा, जो शुक्रवार को खुली है।

असम पुलिस ने उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी, यह कहते हुए कि खेड़ा "जाली" दस्तावेज़ों के आधार पर उच्च न्यायालय गये। पुलिस ने कहा कि कथित अपराध, प्रेस कॉन्फ्रेंस, जहां खेड़ा ने आरोप लगाए, असम में हुई और मामला असम में दर्ज किया गया। पुलिस ने कहा कि खेड़ा ने अग्रिम जमानत के लिए तेलंगाना उच्च न्यायालय का रुख किया। उन्होंने कहा कि खेड़ा के आधार कार्ड पर उनका दिल्ली का पता दर्ज था।

खेड़ा ने तर्क दिया कि उनकी पत्नी हैदराबाद की निवासी हैं और वहां विधानसभा चुनाव लड़ी थीं। "यह मूल रूप से मानहानि का मामला है, और सिर्फ इसलिए कि मैंने मुख्यमंत्री को नाराज़ किया, 100 पुलिसकर्मी दिल्ली भेज दिए गए।"

असम मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और पवन खेड़ा के बीच विवाद तब शुरू हुआ, जब खेड़ा ने प्रेस से हुई बातचीत में सन्दर्भित टिप्पणी की।

उन्होंने दावा किया कि सरमा की पत्नी, रिंकी भुइयां सरमा के पास तीन सक्रिय विदेशी पासपोर्ट हैं और अमेरिका में कई अघोषित संपत्तियां हैं।

इसके बाद, सरमा ने एफआईआर दर्ज कराई और अधिकारियों ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू की। असम पुलिस ने उनके दिल्ली घर पर छापा मारा, लेकिन उस समय वे दिल्ली से बाहर थे।

खेड़ा ने असम की उचित अदालत तक पहुँचने के लिए तेलंगाना उच्च न्यायालय में ट्रांज़िट अग्रिम जमानत का आवेदन किया। उच्च न्यायालय ने उन्हें अस्थायी राहत दी, जिससे उन्हें सीमित सुरक्षा मिली, और विधिवत जमानत के लिए असम की क्षेत्राधिकार वाली अदालत का रुख करने का निर्देश दिया।

हिमंता सरकार ने इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। उच्चतम न्यायालय ने हस्तक्षेप किया और तेलंगाना उच्च न्यायालय के ट्रांज़िट जमानत आदेश पर स्टेट दे दिया।

ईरान ने अचानक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के इंतजाम पर चर्चा कर रहे हैं। हालांकि, इस व्यवस्था की निगरानी करने में उनकी क्षमता पर संदेह जताया जा रहा है। लेकिन पहले कदम उठाने की चमक और अंतरराष्ट्रीय मीडिया के ध्यान से चूक गए ट्रंप ने अपने तरीके से घोषणा की कि ईरानी जहाजों और बंदरगाहों पर अमेरिकन ब्लॉकेड फिलहाल जारी रहेगा। इस प्रकार ट्रंप ने खेल बिगाड़ने वाले की भूमिका निभाई, क्योंकि ऐसा लगता है कि ईरान की अचानक घोषणा ने उन्हें चतुराई से मात दे दी।

डॉनल्ड ट्रंप के अस्थिर तरीकों को देखते हुए, कोई भी निश्चित रुप से नहीं कह सकता है कि वह ब्लॉकेड को हटाने या होर्मुज़ जल में पीछे हटने की घोषणा कब करेंगे। ब्लॉकेड की नीति जारी रखने से अमेरिका शेष विश्व, खासकर चीन, को परेशान कर रहा है।

चीन ईरान से तेल के आयात पर बहुत ज्यादा निर्भर है और अब इसे असर महसूस हो रहा है। महत्वपूर्ण मुद्दा यह होगा कि जब ईरानी कच्चे तेल से भरा कोई जहाज चीन के बंदरगाह के लिए जाएगा और अमेरिकी ब्लाकेड से टकराएगा, तो क्या अमेरिकी नौसेना उसे वापस लौटने के लिए बाध्य करेगी या उसे बोर्डिंग और तलाशी के लिए रोक देगी।

संकेत हैं कि ईरान-अमेरिका शांति वार्ता जल्द ही फिर से शुरू हो सकती है। बेहतर संभावनाओं को देखते हुए, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने संकेत दिया कि वे स्वयं पाकिस्तान यात्रा करेंगे, ताकि शांति समझौते को औपचारिक रूप दिया जा सके। लेकिन संकेत हैं कि युद्ध क्षेत्र में राष्ट्रपति की सुरक्षा सुनिश्चित करना मुश्किल होगा।

'चाणक्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे हैं। वे मेरी बात से सहमत हैं।" चाणक्य वाले कमेंट पर गृह मंत्री मुस्कुराए और कोई नाराज़गी नहीं दिखाई दी।

महिला ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्योंकि ओबीसी और अन्य वर्गों के हितों का ध्यान रखना जरूरी है, जो अब तक नहीं हुआ।

नरेन्द्र मोदी और अमित शाह चूँकि हार गए हैं, इसलिये अब वे यह कथित कहानी फैलाने की कोशिश कर रहे हैं कि विपक्ष महिलाओं के खिलाफ है और असल में केवल भाजपा ही महिलाओं की हितैषी है।

तीन दिन का विशेष सत्र भाजपा ने महिला आरक्षण बिल पास कराने के लिए बुलाया था, लेकिन बिल के बहाने सरकार इसे परिसीमन से जोड़ रही है, सीटों को 850 तक बढ़ा रही है और वह भी बिना जनगणना के।

परिणाम अपेक्षित था।

घटना की दिशा तय हो चुकी है।

यह भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए के अंत की शुरुआत है।

विपक्ष को तोड़ने के प्रयास विफल रहे और भाजपा के लिए यह आत्ममंथन का समय है, सही और गलत की पहचान करने का समय है।

कर्नाटक के कांग्रेस विधायक को उम्रकैद की सज़ा

बंगलूरू, 17 अप्रैल। कर्नाटक के भाजपा नेता योगेश गौड़ा हत्याकांड में सजा की अवधि (क्वांटम ऑफ सेंटेंस) को लेकर बंगलूरू की एमएलए/एमपी विशेष अदालत ने विनय कुलकर्णी समेत 16 दोषियों को हत्या और साजिश के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई। विशेष अदालत ने उन पर 30,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया।

बेंगलुरु की जन प्रतिनिधि सभा की विशेष अदालत ने शुक्रवार को भाजपा नेता योगेश गौड़ा की हत्या के मामले में दोषी पाए गए कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी और अन्य आरोपियों को सजा सुनाई।

विनय कुलकर्णी पूर्व मंत्री और वर्तमान में कांग्रेस विधायक हैं। अदालत ने गुरुवार को सुनवाई पूरी कर ली थी और फैसला शुक्रवार के लिए सुरक्षित रख लिया था।

अदालत में केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और दोषी कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी के वकीलों की अंतिम दलीलें पूरी हो गईं। इसके बाद न्यायाधीश संतोष गजानन भट्ट ने मामले को स्थगित करते हुए फैसला सुनाने के लिए शुक्रवार की तारीख तय की थी। सुनवाई के दौरान अदालत परिसर में भावुक माहौल देखने को मिला। दोषियों के परिजन बड़ी संख्या में मौजूद थे और कई लोग रोते हुए नजर आए। कुछ दोषी, जिनमें विधायक विनय कुलकर्णी भी शामिल हैं, अपने परिजनों को सांत्वना देते दिखे।

- भाजपा नेता योगेश गौडा की हत्या के मामले में अदालत ने कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी सहित 16 को उम्रकैद की सजा सुनाई।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600